

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

मंच से खूब गरजे CM योगी, बोले- बागपत मतलब चुनावी गर्मी शुरू हो गई, जयकारों से गूंज उठा मैदान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बागपत में जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बागपत मतलब चुनावी गर्मी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद प्रमुख चौधरी जयंत सिंह आज शुरुवार को बागपत पहुंचे हैं। सीएम योगी का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में लैंड हुआ। इसके बाद मुख्यमंत्री कार से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। सीएम योगी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के साथ अपने भाषण की शुरुआत की। इस दौरान पूरा मैदान जयकारों से गूंज उठा। सीएम योगी ने गठबंधन प्रत्याशी राजकुमार सांगवान के पक्ष में रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना

संक्षिप्त समाचार

क्या दूर हो गए मिले-शिकवे: अखिलेश यादव से मिले आबिद रजा, सपा के पक्ष में कर सकते हैं प्रचार
पूर्व विधायक आबिद रजा ने बीते दिनों इस्तीफा दे दिया था, तब से वह सपा से नाराज चल रहे थे। उनकी नाराजगी खत्म करने के लिए पहले शिवपाल सिंह यादव ने मुलाकात की। अब वह खुद लखनऊ जाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव से मिले हैं। बदायूं में पूर्व विधायक आबिद रजा जो अब तक मुसलमानों को टिकट में आबादी के हिसाब से लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी कम दिए जाने का सवाल उठाते रहे हैं, बृहस्पतिवार को लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव से मिले। अपने मुद्दे उठाए और मिले शिकवे भी किए। उन्होंने मुस्लिमों की भागीदारी के लिए उन्हें अपना वही मांग पत्र सौंपा। जो कुछदिन पहले सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव को दिया था। शिवपाल यादव हाल में ही उनके घर गए थे। तभी फोन से अखिलेश यादव से उनकी वार्ता कराई गई थी और लखनऊ बुलाए जाने की बात तय हुई थी। आबिद का इस्तीफा नामंजूर-तय कार्यक्रम के मुताबिक ही शुरुवार को आबिद रजा लखनऊ गए थे। मुलाकात के बाद सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मीडिया को बताया कि आबिद रजा ने बीते दिनों राष्ट्रीय सचिव पद से इस्तीफा दिया था, जो अब नामंजूर किया गया है। साथ ही आबिद रजा से पार्टी ने पूरे प्रदेश में सपा के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने का आग्रह किया है। दूसरी ओर मुलाकात के बाद जब देर रात आबिद रजा से बातचीत की गई



साधा। उन्होंने जनता से कहा कि गठबंधन प्रत्याशी राजकुमार सांगवान के समर्थन में हर बूथ पर मजबूती के साथ मतदान करना है। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल बागपत में विजय शंखनाद रैली में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें फिर से बागपत की पावन धरती पर आने का मौका मिला है। यह वह धरती है जहां से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह ने अपनी राजनीति की शुरुआत की थी। बागपत की धरती से ही महाभारत की नींव रखी गई थी। देश की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री को देश का सर्वोच्च सम्मान देकर देश के अन्नदाता और प्रदेश के लोगों का सम्मान किया है। पूर्व प्रधानमंत्री को सर्वोच्च सम्मान मिलने पर नमन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौधरी चाण सिंह के आदर्शों को ध्यान में रखकर पार्टी का एजेंडा बनाया और देश व प्रदेश में लागू किया है। उन्होंने कहा कि बागपत का मतलब यानी

चुनाव की गर्मी शुरू हो गई है। आज बागपत प्रगतिशील जनपत है। यह वही बागपत है, जहां से भगवान श्रीकृष्ण ने लीला की थी और यहीं से महाभारत की नींव तैयार हुई थी। आज प्रदेश की 120 चीनी मिलों में से 105 मिल दस दिन में भुगतान कर रही है। विदेशों में देश के लोगों का सम्मान हो रहा है। भाजपा सरकार देश की सीमा के अलावा व्यापारी वर्ग और बेटीयां सुरक्षित हैं। आतंकवाद और आजाकता का खात्मा हुआ है। प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिला है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी की %ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा% इस बात पर बहुत लोगों को मिर्ची लगी होगी लेकिन, बागपत के लोगों को यह बात पसंद आई है। सीएम योगी ने कहा कि यदि मैं यहां से उम्मीदवार होता तो जितनी वोट आप मुझे देते, उससे ज्यादा वोट देकर राजकुमार सांगवान को जिताना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लिए जो कुछ भी किया, वह

किसी से छिपा नहीं है। कहा कि बागपत के विधायक या सांपद ने जो भी प्रस्ताव रखा, मैंने उन्हें करने में देरी नहीं की। किसी भी काम में 24 घंटे से अधिक समय नहीं लगा। उन्होंने कहा कि बागपत में एक से बढ़कर एक हाईवे बन रहे हैं। एक-दो नहीं 5-5 हाईवे से बागपत जुड़ा हुआ है। कहा कि भाजपा और लोकदल ने आपके बीच में एक योग्य उम्मीदवार आपके बीच दिया है। उन्हें जितकर ही भेजना है। उधर, भाजपा और रालोद गठबंधन प्रत्याशी राजकुमार सांगवान ने भी मंच से सीएम योगी के सामने कहा कि ना खाऊंगा ना खाने दूंगा। उन्होंने कहा कि कुछ बातें हम विपक्ष में रहकर नहीं बोल सकते लेकिन, अब साथ आ गए तो बोल सकते हैं। राजकुमार सांगवान ने कहा कि आम का सीजन है। रटौल के आम बहुत फेमस है। आम का सीजन आ रहा है, जितने के बाद आम की दावत का न्यूता मुख्यमंत्री को देना चाहूंगा। हालांकि, ऐसा

पहली बार हुआ है, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह एक साथ मंच पर रहे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर हाईवे पर डायवर्ट रूट- गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में मुख्यमंत्री की जनसभा को लेकर दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर रूट डायवर्ट किया गया है। रूट डायवर्जन कार्यक्रम समाप्त होने तक जारी रहेगा। शामली, मुजफ्फरनगर की तरफ से आने वाले वाहनों को बड़ौत-सराय मार्ग से पिलाना भट्टा, ढिक्कौली, चिरोड़ी बंथला से दिल्ली-गाजियाबाद भेजा जा रहा है। सोनीपत की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को बड़ौत-सराय मार्ग से निकाला जा रहा है और हल्के वाहनों को गौरीपुर मोड़ से नौरोजपुर रोड़ के रास्ते भेजा जा रहा है। उधर, बड़ौत की तरफ से आने वाले हल्के वाहनों को लधवाड़ी मोड़ से नौरोजपुर रोड़ से होते हुए भेजा जा रहा है। दिल्ली, गाजियाबाद से आने वाले वाहनों को राष्ट्र वंदना चौक से अमीनगर सराय मोड़ से बड़ौत भेजा जा रहा है।

मीसा ने पीएम मोदी पर बोला हमला, कहा- 1990 से लोग लगे हैं, लालू का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे

मीसा भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब बातें करते हैं। उन्होंने कौन सा वादा पूरा किया। हमलोगों ने जो वादा किया वह बिहार में करके दिखाया है। हमें जब मौका मिला तो हमने जो कहा, वह करके दिखाया है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार मीसा भारती ने पीएम नरेंद्र पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दामाद के लिए जमुई आए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री परिवारवाद पर बोल रहे थे लेकिन लालू प्रसाद ने इनके परिवार की लिस्ट जारी कर दी है। पीएम के नौकरी के बदले जमीन वाले बयान पर मीसा भारती ने कहा कि 1990 से उनके पीछे लोग लगे हैं। कोई भी लालू जी का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। हमें जब मौका मिला तो हमने जो कहा, वह करके दिखाया- प्रधानमंत्री अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब बातें करते हैं। उन्होंने कौन सा वादा पूरा



किया। हमलोगों ने जो वादा किया वह बिहार में करके दिखाया है। हमें जब मौका मिला तो हमने जो कहा, वह करके दिखाया है। तेजस्वी यादव ने पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दीं। महंगाई और बेरोजगारी को छुपाने के लिए परिवारवाद की बात प्रधानमंत्री करते हैं। जनता समझ चुकी है और सही समय पर इनका जवाब देगी। जो लोग चार सौ पार का नारा देख रहे हैं, उनकी काम को जनता देख रही है। उन्होंने रामकृपाल यादव पर जमकर हमला बोला और कहां थी एक उपलब्धि वह गिना दें फिर हमसे बात करें। नित्यानंद

राय बोले- इन चीजों के लिए प्रसिद्ध हैं लालू प्रसाद- लालू यादव के बात पर कोई विश्वास नहीं करता है। कोई भरोसा नहीं करता है। उनको लोगों ने काफी सातों से देखा है। वह परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और घोटालों और अपराधियों को साथ रखने के लिए के लिए प्रसिद्ध हैं। महागठबंधन% के सभी नेताओं ने मान लिया है कि पीएम नरेंद्र मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। वे जानते हैं, लोग उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटों के साथ फिर से प्रधान मंत्री बनाएंगे। वे पीएम मोदी की लोकप्रियता से परेशान हैं।

वोट दो... नहीं तो हिसाब किताब भी होगा: सपा

प्रत्याशी शिवपाल यादव ने दिया ऐसा बयान

बदायूं जिले में चुनाव प्रचार के दौरान का सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह यादव का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वह यह कहते हैं कि हम सब का वोट मांगेंगे। जो देगा तो देगा, जो नहीं देगा तो अपने लोग हैं ही। आगे कहते हैं कि जो वोट नहीं देगा, तो फिर हिसाब किताब भी होगा। लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा बढ़ता जा रहा है। प्रत्याशी और नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। बयानबाजी भी हो रही है। बदायूं जिले में चुनाव प्रचार के दौरान का सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह



यादव का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वह चुनावी जनसंपर्क सभा के दौरान यह कहते दिखाई देते हैं कि हम सब का वोट मांगेंगे। जो देगा तो देगा, जो नहीं देगा, तो फिर हिसाब किताब भी होगा। लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा बढ़ता जा रहा है। प्रत्याशी और नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। बयानबाजी भी हो रही है। बदायूं जिले में चुनाव प्रचार के दौरान का सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह

तहर-तहर की चर्चा होना शुरू हो गई है। लोग उनके बयान से तरह-तरह मायने निकाल रहे हैं। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है कि यह वीडियो कब का और कहाँ का है। इस संबंध में सपा जिला अध्यक्ष आशीष यादव को कॉल लगाया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी है। बदायूं में सपा प्रत्याशी हैं शिवपाल -सपा ने इस बार शिवपाल सिंह यादव को बदायूं से प्रत्याशी बनाया है। हालांकि उनकी जगह बेटे आदित्य यादव को उम्मीदवार बनाने की वकालत शुरू हो गई है।

यह लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव, घोषणापत्र जारी कर बोले कांग्रेस नेता राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। एक तरफ एनडीए और प्रधानमंत्री मोदी हैं जो संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करता है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। वहीं, पीएम का चेहरा पूछे जाने पर भी जवाब दिया। एक तरफ एनडीए और



प्रधानमंत्री मोदी... कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव बुनियादी रूप से अलग है। मुझे नहीं लगता कि संविधान और लोकतंत्र को इतना खतरा पहले कभी था जितना आज है। एक तरफ एनडीए और प्रधानमंत्री

मोदी हैं जो संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करता है। देश की राजनीति हो क्या रहा- उन्होंने आगे कहा, हमें यह समझना होगा कि देश की राजनीतिक बांचे में हो क्या रहा

है। आरएसएस, भाजपा और खासकर पीएम मोदी ने जो रणनीति बनाई है उसकी नींव क्या है, हमें यह समझना होगा। जिस तरह बंदरगाहों, बुनियादी बांचे और रक्षा में अदाणी का एकाधिकार है, उसी तरह पीएम मोदी ने ईडी, सीबीआई और आयकर का उपयोग करके

राजनीतिक वित्त में एकाधिकार बना लिया है। राहुल ने कहा, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जो भ्रष्ट हैं वे भाजपा में शामिल हो रहे हैं, इसकी वजह यह है कि पीएम मोदी राजनीतिक वित्त एकाधिकार पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। ये घोषणापत्र कांग्रेस पार्टी ने नहीं बनाया है, देश की जनता ने बनाया है। हमने बस इसे लिखा है। हमने हजारों लोगों से बात करने के बाद अपना घोषणापत्र बनाया है। इंडिया शाइनिंग अभियान का क्या हुआ था- उन्होंने कहा, %कई राजनीतिक टिप्पणीकारों के विपरीत, मैं भविष्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। पर मुझे विश्वास है कि यह

मीडिया द्वारा प्रचारित किए जा रहे चुनाव की तुलना में काफी करीबी चुनाव है। यह एक करीबी चुनाव है, जिसे हम लड़ने जा रहे हैं और जीतेंगे भी। याद कीजिए कि जब वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे तब भी इसी तरह का प्रचार किया जा रहा था। एक इंडिया शाइनिंग अभियान चलाया गया था। याद करिए कि इंडिया शाइनिंग अभियान का क्या हुआ था और याद कीजिए कि उस अभियान को किसने जीता था। उन्होंने दावा किया, नरेंद्र मोदी ने पूरे विपक्ष को चुनावी बॉन्ड के जरिए एक 'चार्जशीट' पकड़ा दी है। इसलिए पीएम मोदी को थोड़ा डर लग रहा है। ऐसे में वह 400

पार की बात कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि कहीं 180 या 160 हुआ तो नैया डूब जाएगी। चुनाव के बाद गठबंधन तय करेगा पीएम का चेहरा- पीएम के चेहरे के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन ने फैसला लिया है कि हम एकजुट होकर यह वैचारिक चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद गठबंधन मिलकर तय करेगा कि नेता कौन होगा और कौन प्रधानमंत्री। राहुल गांधी के अनुसार, यह सारी जानकारी चुनावी बॉण्ड के जरिये सामने आ गई है।

संपादकीय Editorial

Some burning, some hunting

In Himachal, in the context of assembly by-elections coinciding with the Lok Sabha elections, either he will do wonders or he will become a victim of excessive ambition. If we talk about the first steps, then central to BJP's strategy is the feeling of strength, self-confidence and demonstration of its organizational machinery. The party is playing instruments with the organization far ahead of the Congress. Most of its candidates have already entered the fray. The display is showing the goods that the former Congress MLAs have brought with them. Sudhir Sharma's introduction conference in Dharamshala is definitely raising questions in the Congress's mind because now some candidate or the other is running in every corner of the party. BJP also has many arrows in its attack, but in election planning this party is adept in embellishing the atmosphere. On this basis, we can see movement in the fort of Sujanpur through Rajendra Rana. It is a matter of fact that many witnesses of BJP are now joining Congress, so it will also be seen who is making his mark in which area. However, it is possible to select candidates from Jalwe, then this specialty of Kangana Ranaut, the BJP candidate from Mandi, is a matter of national discussion. Kangana's statements even before she was declared a candidate - Kangana's controversies are so impatient that stones can be pelted anywhere in the name of BJP. Perhaps that is why a contest of statements and controversies has started between him and Sukhu government's Public Works Minister Vikramaditya Singh. Virbhadra Singh's family has also been in power in this Lok Sabha constituency, but now gradually the conflict between Kangana vs Pratibha Singh will depend more on the personality and work of both the leaders rather than the party conflict, then all the traditions will be rewritten. It will be interesting to see whether the voters are impressed by Kangana's outspokenness and wit or whether the dignity of Virbhadra Singh's family is at stake in the elections. Even though Congress did not play its cards in the Lok Sabha elections from Kangra, the strength of senior leader Shanta Kumar is definitely being seen in the offer of Dr. Rajeev Bhardwaj from BJP. It is a matter of fact that after putting an end to the claim of Trilok Kapoor, who has shown his talent till now, the party's national president Jagat Prakash Nadda, who was always close to him, is in a new incarnation. We are hopeful of Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu being the natural manpower of political energy in the state and if he can achieve even 50 per cent success in these elections, then he will be seen leading the future in the front row of Congress. The real hunter of Himachal will also be revealed in these elections. All the election activities will also reveal who has victimized whom through the resignations of MLAs. Even today, where Himachal politics stands in search of prey, many whips and swords are hanging there. It is not just a matter of bringing the government back on track, but there is a need for such fortification which can be a lesson for the entire politics in future. In such a situation, by listing some leaders of Himachal, we will either be able to see their glory or we can also see them becoming victims. In the eyes of the public, there are many issues related to Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu, Leader of Opposition Jairam Thakur, Deputy Chief Minister Mukesh Agrihotri, Kangana Ranaut, Anurag Thakur, Prem Kumar Dhumal, Shanta Kumar, Rajendra Rana and Sudhir Sharma, which hold hopes for their success. Yes, but in these elections, more names will be registered in the name of murderer hunter.

Lok Sabha Elections 2024: A moral war between Dhritarashtra familism and Sudamai familism...

Being Sudama is not only a result of economic inequality but is also a fate in which both Goddess Lakshmi and Satta Sundari come together to cheat the petitioner. The political tragedy of the character named Deepak Saxena is that despite all the loyalty, he has got only the task of carrying the carpet. In the Mahabharata period, King Dhritarashtra, blinded by his love for his son, and Sudama, helpless in his love for his friend, ever met each other. There may not be any mythological mention, but this gift has become possible in Kaliyuga. Not only was it possible but it happened with the dialogue that Sudama, you decide whether you want to remain Sudama or become Dhritarashtra. There is both a warning and a threat in this dialogue. The warning was that poor Sudama should never dream of becoming Emperor Dhritarashtra and the threat was that if you tried to come out of Sudama's status, you may achieve immortality in political narratives, but in political life you would be doomed. This whole context of Dwapara Yuga (according to mythological sources) is about two people planning to win Chhindwara Lok Sabha seat in the first phase of the 18th Lok Sabha elections being held in democratic India in the 5126th year of the present Kaliyuga. It is about the conversation between the leaders. Instead of calling it a dialogue, it would be more appropriate to call it a monologue. If media reports are to be believed, then the moral dialogue that was spoken was that of senior Congress leader Kamal Nath, who is trying hard to send his son to the Lok Sabha from Chhindwara for the second time, while on the other hand, Kamal Nath has been speaking for the last four decades. Deepak Saxena, who has been a servant, may have become Gabbar economically, but remained Sudama politically. Being Sudama is not only the result of economic inequality but is also such a fate in which both Lakshmi and Satta Sundari combine and become a beggar. She keeps defying him. The political tragedy of the character named Deepak Saxena is that despite all the loyalty, he has only got the job of picking up the carpet. It seems as if his being a Kamal Nath devotee is the reason for this political curse. Therefore, in this election, when he dared to break the cord of Kamal Nath and join him with Kamal Dal, in return he was reprimanded that he should not even try to become Dhritarashtra. Its second meaning also is that only one Dhritarashtra can live in one Hastinapur. Or we can say that only those who are in power have the privilege of having a son. They are stuck in power and want to remain stuck for generations. It is the sacred duty of the people to continue giving political dividends to many races on the investment of one generation. For politicians, everything is meaningless in front of the political career of their son/daughter/wife etc. Even if any Sudama would have the audacity to challenge him, he would lose his eyes as well as his hands and legs. Actually, there is no direct relation between the story of Dhritarashtra and Sudama. All this manipulation is done through the diplomat and Lord Krishna, who advises Dhritarashtra to avoid attachment to his son and fails, on the other hand, tries to satisfy Sudama's material aspirations by offering him friendship. In the Puranas, there is mention of Sudama's father that he was the son of demon king Shankhachuda. Shankhachur was blessed with immortality from Brahma. But there is no mention of Sudama's sons anywhere. Since Sudama was not a politician, even the Puranas would not have felt the need to worry about the political and economic future of his sons. Brahmin Sudama was basically the product of that socialist thinking, in which there was more emphasis on equal distribution of poverty rather than wealth. This simply means that Deepak Saxena is destined to be Sudama. In the Dwapara Yuga, whatever wealth Yogiraj Krishna gave to his child friend for the sake of friendship, Sudama should consider it as his good fortune and be satisfied. Expecting more than this is a political crime in itself. After all, a servant is a servant and a master is a master. It is true that by the grace of Kamal Nath, Deepak Saxena became MLA four times, minister once and protem speaker once. But when his political ambitions were at their peak, his card was cut short. He got nothing in return for losing his position and power for the sake of Swami. When it came to sending someone to the Lok Sabha from Chhindwara, Kamal Nath chose his son Nakul Nath. It is noteworthy that in politics, the mathematics of getting benefits in return for service depends on who is your master, whether it is Dhritarashtra himself or Krishna. However, Deepak Saxena, saddened by his neglect in the Congress and the abuse he received in return for his devotion, dared to join the BJP, which Kamal Nath did not like, despite the news of him and his son changing sides in the media. Even then the aim was only one to save the son's position. The objective is still the same. The difference is that when Deepak Saxena tried to enter the same password of love for his son to open the link to his political ambitions, he became the object of Kamal Nath's wrath. What's more, Kamal Nath's daughter-in-law Priya Nath also took a dig at Deepak and said that those whom Kamal Nath ji helped, are abandoning him at the time of Agni Pariksha. On the other hand, Deepak, hurt by the continuous slave treatment he was receiving, first sent his son Ajay to BJP and was also preparing to wear saffron. Then he was given an ultimatum to choose one option between Dhritarashtra and Sudama. Here is Deepak Saxena's ' The 'mistake' is that he tried to create Sudamai familyism instead of Dhritrashtri familyism. In return of worshiping the feet, asked for sandalwood tilak on the forehead. This is the biggest sin in the dynastic political culture. Otherwise, if Dhritarashtra himself changes sides with his lifeless eyes, then it is a political maneuver and if a servant takes someone else's side with his living eyes, it is called treason. Isn't it an amazing theory! Anyway, in Dhritarashtra thinking, the fruits of power are transferred to the accounts of one's own people only. The manner in which SP National President Akhilesh Yadav gave logical form to its justification in democracy is unique. Akhilesh said that BJP people accuse us of being familyists (although familyism is there too), that is why this time I have given maximum tickets to my family members only. At present, in this Dhritarashtra election episode, Kamal Nath has played the Brahmastra of emotional card. One of whose targets is Deepak Saxena himself. Experts say that no matter how many imported leaders are purified in BJP's Ganga, Kamal Nath's emotional stake can outweigh all the efforts of BJP. Under its Mission-29, BJP wants to cut the umbilical cord of Kamal Nath in Chhindwara at all costs, but even after discrimination, if the 'lotus' could not blossom in the elections this time in Chhindwara, then the problem will be with the leaders of Kamal Dal instead of Kamal Nath. will increase.

Katchatheevu: There is no end to this dispute..., amid regional tussle it is necessary to consider national interest first.

Fishermen, who are an important vote bank, have been the main target of debate during the ongoing elections on the Katchatheevu island, located between India and Sri Lanka. Not surprisingly, politics has dragged the delicate relations and diplomacy between the two neighboring countries into this debate. This is a fight between BJP vs Congress. There is virtually no dispute between the DMK and the AIADMK, which rule Tamil Nadu alternately, over the 1974 agreement under which Katchatheevu became part of Sri Lanka. Neither the DMK, which was in power in the state at the time of the agreement and is still in power, nor the AIADMK, which is now in the opposition, have questioned the agreement, but they want to protect the interests of the fishermen. There could have been opposition from the AIADMK, but it did not participate in the debate in favor of Prime Minister Narendra Modi, who had attacked the Congress on the issue. Nearly 50 years ago, Indira Gandhi's government signed this agreement after consulting the Karunanidhi-led Tamil Nadu government. AIADMK is contesting the Lok Sabha elections on its own without any alliance with any national party. It wants its founding leader and four-time Chief Minister Jayalalitha to be seen as the sole savior of the fishermen. Rhetoric has started again on this issue. AIADMK general secretary Edappadi K. On April 2, Palaniswami challenged the BJP to file an affidavit in the Supreme Court in the pending case of 'recovery' of Katchatheevu. It was filed by Jayalalitha. Palaniswami challenged the Modi government to tell the Center to the Supreme Court that the matter of handing over Katchatheevu island will be reconsidered. He knows that the Center does not want a fresh dispute with Sri Lanka. So we have a third side to the debate. The current debate is about Tamil Nadu BJP chief K. Regarding Annamalai's response to an RTI (Right to Information). He has said that giving away an 'important piece of India' has created problems for the 'fisherman brothers and sisters' of Tamil Nadu. In a video, he targeted Congress and DMK for their 'collusion in handing over Katchatheevu to Sri Lanka'. Reacting to 'new facts' brought out by a section of the media, Modi described them as 'eye-opening' and 'shocking' and accused the Indira Gandhi government of working against national interests. Others from his party and alliance also joined in. Responding to Prime Minister Modi's rhetoric, Congress President Mallikarjun Kharge asked whether the Modi government wanted to reopen an old agreement and an issue that could spoil relations with Sri Lanka. This is a statement, but also a warning, because both the fishermen and the government in Colombo are very sensitive on this issue. Whether elections are held in Tamil Nadu, India or Sri Lanka and whoever is in power, the real issue before or after the elections is the fishing rights of fishermen on both sides. Fish production in Indian territory is declining rapidly and Indian fishermen operating several trawlers have been accused of fishing in waters close to the Sri Lankan coast. Naturally Sri Lanka is upset by this. This is a never ending issue. Fishermen from Tamil Nadu, who have been fishing in this area for centuries, sometimes venture into Sri Lankan waters beyond Katchatheevu and fish near the northern Sri Lankan coast. He is arrested by the Sri Lankan Navy. When political parties create ruckus in Tamil Nadu, the central government intervenes diplomatically and then they are released. This cycle is repeated year after year with no end in sight. Tamil Nadu politicians regularly demand that Katchatheevu be 'taken back' from Sri Lanka, as India had handed it over 'without consideration'. The AIADMK in 2008 and the DMK in 2013 had approached the Supreme Court, but were only told that the current status of the island is an agreement which cannot be reversed. In support of Prime Minister Modi, Foreign Minister S. Jaishankar said that the governments of Tamil Nadu have been complaining to the central government. This issue is basically that of fishermen. He said that 'Sri Lanka has detained 6,184 fishermen and 1,175 boats.' This is true, but this is not the first time this has happened, nor is it likely to end. This does not involve the 'sovereignty' of a country, but rather fishing rights. It is important to note that the fishermen of Gujarat have a dispute with Pakistan and the fishermen of West Bengal and Odisha have a dispute with Bangladesh.

मुरादाबाद शांत माहौल में अदा हुई अलविदा जुमेकी नमाज

क्यूँ न लिखूँ सच
सिकंदर रजा

मुरादाबाद - रमजान माह के चलते आज दोपहर मुरादाबाद की जामा मस्जिद पर अलविदा जुम्मे की नमाज शांत माहौल में सम्पन्न हो गई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नमाजियों की सुरक्षा के मद्देनजर जिला एफसी पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा स्थानीय पुलिस के साथ साथ पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात किया था। ताकि किसी तरह की कोई पोशानी नमाजियों को नमाज के दौरान ना होने पाए। आज अलविदा जुम्मे के मद्देनजर जामा मस्जिद के अंदर व बाहर परिसर में नमाजियों की दूर तक लंबी कतार देखी गई इतना ही नहीं नमाजियों की सफे रामगंगा



के किनारे तक पहुंच गई थी। हर बार की तरह इस बार भी एडीएम सिटी ज्योति सिंह, एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया, सीओ कोतवाली और इंस्पेक्टर मुगलपुरा भारी फोर्स के साथ तैनात रहे सिविल डिफेंस के लोग भी रहे तैनात

अलविदा जुम्मे की नमाज के बाद बाहर नमाजियों के इंतजार में खड़े लोकसभा चुनावों के उम्मीदवारों ने भी जामा मस्जिद पहुंचकर नमाजियों से मुलाकात करते हुए उन्हें वोट दिए जाने की अपील की। जिसमें बसपा व सपा उम्मीदवार भी शामिल रहे।

फकीरपुरा में चल रही थी अवैध शस्त्र फैक्ट्री, एक गिरफ्तार...दूसरा फरार

मुरादाबाद - अवैध शस्त्र बनाने-रखने एवं बिक्री करने वाले अपराधियों के विरुद्ध पुलिस अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। चुनाव के दिनों में पुलिस ने चौथी फैक्ट्री का खुलासा शुक्रवार को किया है। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा कर एक अभियुक्त शशि राजन पुत्र शरण को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा व्यक्ति मौके से भागने में सफल रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से भारी मात्रा में अवैध शस्त्र, उपकरण, कारतूस-खोखा बरामदग किया है। ये कार्रवाई बुधवार रात में हुई है। पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर एसएसपी हेमराज मीना ने बताया कि पुलिस टीम ने टिकली फैक्ट्री के बराबर में टावर के सामने चौकी फकीरपुरा क्षेत्र में छापेमारी कर शस्त्र फैक्ट्री में शस्त्र बना रहे अभियुक्त शशि राजन को गिरफ्तार किया है। ये आदर्श कॉलोनी का रहने वाला है। एक अभियुक्त विशाल पुत्र महेश निवासी आदर्श कॉलोनी मौके से भागने में कामयाब रहा है। उन्होंने बताया कि मौके पर अभियुक्त के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शस्त्र और शस्त्र बनाने के उपकरण व जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त शशि राजन के विरुद्ध सिविल लाइन थाने में कुल छह मामले दर्ज हैं। एक मामला दुष्कर्म से संबंधित है,



जबकि चार एफआईआर मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित हैं। अब एक मामला आर्म्स एक्ट में दर्ज किया गया है। इसी तरह फरार अभियुक्त विशाल का आपराधिक इतिहास है। इसके खिलाफ सिविल लाइन थाने में कुल सात प्रकरण दर्ज हैं। इसके खिलाफ शराब और मादक पदार्थों की तस्करी के मामले अधिक हैं। पुलिस की सख्ती से शशि राजन व उसके साथी ने बदल लिया था धंधा- एसएसपी हेमराज मीना ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त शशि राजन ने पूछताछ में बताया है कि वह अपने साथी विशाल के साथ अवैध स्मैक-शराब का काम करता था। कुछ दिनों से पुलिस की ज्यादा सख्ती होने से उसका स्मैक-शराब का काम बंद हो गया था। लोक सभा चुनाव होने वाले हैं। इसमें तमंचों की काफी मांग रहती है। वह दोनों पहले से ही तमंचे बनाने का काम जानते हैं। इसलिए उन दोनों ने तमंचे बनाने का काम शुरू किया था। मांग के अनुसार वह लोग चोरी-छिपे जगह बदल-बदलकर तमंचे बनाते हैं। लोगों से अच्छे दामों में बेचकर आर्थिक लाभ कमा लेते हैं।

शशि राजन ने पुलिस को बताया है कि वह अपने साथी विशाल के साथ मिलकर चुनाव से पहले ही तमंचों का निर्माण कर रहा था। इन तमंचों को तैयार करके लोगों के बीच बेचने की तैयारी कर रहा था कि पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने बरामद की असलहों का जखीरा-एसएसपी ने बताया कि सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक राम प्रसाद शर्मा और उनकी टीम ने अवैध असलहों का जखीरा बरामद किया है। इसमें निर्मित आठ और अर्द्धनिर्मित पांच तमंचे मिले हैं। दो नाल, चार जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस मिला है। शस्त्र बनाने के उपकरण व अन्य सामान एक बोरी भर मिला है। प्रभारी निरीक्षक की टीम में फकीरपुरा पुलिस चौकी प्रभारी रीता तेवतिया, हथला चौकी प्रभारी प्रबोध कुमार, राम गंगा विहार पुलिस चौकी प्रभारी राजविंदर कौर, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार और कांस्टेबल सचिन कुमार, सूरज थे। एसएसपी ने इस पुलिस टीम को सफल कार्रवाई के लिए 10,000 रुपये के इनाम की भी घोषणा की है।

मुरादाबाद में बोले केशव प्रसाद मौर्य- सपा कांग्रेस को नहीं मिल रहे प्रत्याशी, रोज बदल रहे चेहरे...केंद्र में तीसरी बार बनेगी नरेंद्र मोदी सरकार

मुरादाबाद - उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं रोज चेहरे बदले जा रहे हैं जबकि हमारे कार्यकर्ता बूथों की मजबूती में जुटे हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र को उन्होंने पुलिंदा बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा जिस प्रकार मोदी योगी सरकार में देश प्रदेश का विकास हुआ है वैसे ही मुरादाबाद का संपूर्ण विकास होगा। केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। इसमें कोई शंका नहीं है। कांग्रेस एक्सपायरी डेट की है और इस चुनाव में सपा समाजवादी पार्टी बनेगी। विपक्ष को उत्तर प्रदेश में एक भी सीट नहीं मिलेगी। सभी 80 सीटों पर भाजपा और उसके गठबंधन के प्रत्याशी जीतेंगे। इंडिया गठबंधन को उन्होंने ठग गठबंधन करार दिया। कहा भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचारियों की जगह जेल है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद



मौर्य रविवार को दिल्ली रोड स्थित एक होटल में महानगर इकाई की ओर से आयोजित बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की जड़े खत्म हो चुकी हैं। इसलिए उनके बड़े नेता प्रदेश छोड़कर भाग खड़े हुए हैं। हर ओर मोदी मोदी और योगी योगी का डंका बज रहा है। केंद्र और प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको समान रूप से

मिला है, आगे विकास को और रफ्तार मिलेगी। 2047 तक भारत विकसित देश की श्रेणी में खड़ा होगा। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को मतदाताओं के पास पहुंच कर शत प्रतिशत मतदान कराना है और सभी को अपने बूथ पर जीत कर कमल खिलाना है। इस दौरान नगर विधायक रितेश गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश सक्सेना, महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और सभी बूथों के अध्यक्ष मौजूद रहे।

तपती धूप में अल्लाह की बारगाह में झुके हजारों सिर, अमन की दुआएं मांगीं



मुरादाबाद -रमजान के आखिरी जुमा अलविदा की नमाज के जामा मस्जिद में हजारों रोजेदारों ने तपती धूप के बीच अल्लाह की बारगाह में सजदा किया और मुल्क की तरक्की को दुआएं मांगीं। रोजेदारों ने दो घंटे पहले से ही जामा मस्जिद में पहुंचना शुरू कर दिया था। जामा फुल होने के बाद लोगों ने पार्क में भी नमाज अदा की। जामा मस्जिद

में नमाज के लिए एक बजकर 20 मिनट पर खड़ा होना था। लेकिन जुमा अलविदा की नमाज जामा मस्जिद में पढ़ने का बड़ा सवाल है। इसलिए सुबह से ही लोगों ने पहुंचकर आगे अपनी जगह बना ली। ब12 बजे तक मस्जिद पूरी तरह भर गई। इसके बाद लोगों को सामने पार्क में भेजना शुरू कर दिया गया। नमाज के समय तक यह भी लगभग पूरी तरह भर

गया। आखिर समय में कुछ लोगों ने गलियों और दुकानों में भी बैठकर नमाज अदा की। जुमा अलविदा की नमाज नायब शहर इमाम मुफ्ती सैय्यद फहद अली ने अदा कराई। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने इफ्तारी के लिए खरीदारी की। इसके अलावा शहर की अन्य मुख्य मस्जिदों में भी जुमा अलविदा की नमाज अदा की दोपहर तीन बजे तक जाएगी।

सपा प्रत्याशी रुचि वीरा और सिटी मजिस्ट्रेट के बीच तीखी बहस, चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन में दर्ज होगा मुकदमा?

मुरादाबाद - मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी रुचि वीरा और मुरादाबाद सिटी मजिस्ट्रेट के बीच तीखी बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में रुचि वीरा और सिटी मजिस्ट्रेट के बीच तीखी बहस होती हुई दिखाई दे रही है। यह बहस उस वक्त की है जब जुमा अलविदा की नमाज के बाद रुचि वीरा सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ जामा मस्जिद से नमाज पढ़कर वापस आ रहे लोगों से इलाके में नमाजियों से मुलाकात करने की और कहा कि आप आदर्श चुनाव आचार संहिता में इस तरह जाना आचार संहिता का उल्लंघन है। बैनर या पार्टी का झंडा नहीं है तो यह चुनाव आचार कहा कि आप एक बार चुनाव आचार संहिता बाद समाजवादी पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी बता दें कि मुरादाबाद की लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। उन्होंने अपना नामांकन भी विधायक रुचि वीरा को चुनावी मैदान में उतार लगाने उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा है। वीरा का पुतला दहन किया था और अभी भी कई देखना यह भी दिलचस्प होगा क्या समाजवादी पार्टी के इस फैसले से समाजवादी को नुकसान होता है या फिर रुचि वीरा लोकसभा का चुनाव जीतकर पार्टी को मजबूत बनाती हैं?



जनसंपर्क करने पहुंची थी। इस दौरान रुचि वीरा जमा मस्जिद कोशिश कर रही थी। तभी सिटी मजिस्ट्रेट ने उन्हें रोक लिया का उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी धार्मिक आयोजन जबकि रुचि वीरा ने सफाई देते हुए कहा कि उनके पास पोस्टर संहिता का उल्लंघन भी नहीं हुआ। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने उल्लंघन का नियम पढ़ें तब आपको सब मालूम हो जाएगा। इसके रुचि वीरा वहां से अपने कार्यकर्ताओं के साथ चली गईं। आपको समाजवादी पार्टी ने मौजूदा सांसद डॉ. एसटी हसन को अपना दर्ज करा लिया था। लेकिन, आखिरी वक्त में बिजनौर से पूर्व दिया है। हालांकि रुचि वीरा के मुरादाबाद से चुनाव लड़ने पर बीते दिनों भी सपा के डॉक्टर एसटी हसन समर्थकों ने रुचि इलाकों में रुचि वीरा का विरोध देखा जा रहा है। फिलहाल

संक्षिप्त समाचार

नौ घंटे तक बंधक बना दी यातनाएं, फिर युवक को किया पुलिस के हवाले...आरोपियों ने छिपाई करतूत

मुरादाबाद -सिविल लाइन थाने में नामजद व अज्ञात लोगों ने युवक के साथ अमानवीय व्यवहार ही नहीं किया बल्कि, उसे पाक बड़ा थाना पुलिस के सुपुर्द किया था। अगवानपुर निवासी युवक के विरुद्ध पिंकू की पत्नी रजनी ने 30 मार्च को मारपीट के आरोप में पाकबड़ा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पिंकू व उनकी पत्नी रजनी पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव गिन्नौर दा माफी के रहने वाले हैं। रजनी ने पुलिस को बताया था कि आरोपी युवक उनके मौसेरे भाई का बेटा है। वह उनके गांव आकर घर में घुस आया और उनके साथ पहले गाली-गलौज की। फिर विरोध करने पर उसने रजनी के साथ मारपीट की थी। यही नहीं, रजनी ने युवक पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उधर, जब आरोपी युवक पुलिस की अभिरक्षा में आया तो पाकबड़ा थानाध्यक्ष ने उसके अगवानपुर निवासी पिता को फोन कर जानकारी दी थी। जिस पर युवक के पिता पाकबड़ा थाने जाकर अपने बेटे को जमानत पर छोड़ा लाए थे और अब उन्होंने अपने बेटे से आरोपियों पर अमानवीय व्यवहार करने का मामला सिविल लाइन थाने में दर्ज कराया है। फिलहाल, इस मामले में पाकबड़ा थानाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह का कहना है कि दोनों पक्ष आपस में निकट के रिश्तेदार हैं। उन्होंने बताया कि गिन्नौर दा माफी के पिंकू व उनकी पत्नी और अन्य लोग जब युवक को मारपीट के आरोप में थाने पर लाए थे तो उन्होंने आरोपी युवक के साथ जो कृत्य किया उसे छिपा लिया था। उन्होंने मारपीट के आरोप में युवक के विरुद्ध तहरीर दी थी, तो उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया था। उधर, युवक की आपबीती के मुताबिक, आरोपियों ने उसे नौ घंटे तक बंधक बनाए रखा था इस बीच उसे पुरुष पीटते थे और जब वह थक जाते थे तो महिलाएं उसे थप्पड़ों और चप्पलों से मारने लगती थीं। वह हाथ जोड़कर और बार-बार पैर पकड़कर जिंदगी की भीख मांग रहा था। लेकिन आरोपियों को उस पर दया नहीं आई। मनभरकर उसे पीटा और फिर पाकबड़ा थाने लाकर पुलिस के हवाले कर दिया था। आरोपी की अभी पांच मार्च को हुई है शादी- पीड़ित युवक के पिता ने बातचीत में बताया कि उनके बेटे की शादी अभी 5 मार्च को हुई है। उनका बेटा अभी 18-19 साल का है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उनके बेटे के साथ अमानवीय व्यवहार किया है, वह लोग उनके निकट के रिश्तेदार ही हैं। ऐसे में बेटे के साथ ऐसा घृणित बर्ताव होने का कारण पीड़ित युवक के पिता ने बताया कि आरोपी पक्ष अपनी बेटे से उनके बेटे का अफेंयर होना बता रहे हैं। खबर ये भी है कि युवक ने आरोपी पक्ष की बेटे के कुछ वीडियो बना रखे थे, जिसे उसने अपनी नव विवाहिता पत्नी को भी दिखाया था और उसे इस युवती से भी शादी करने की बात कह रहा था। तभी युवक और विरोधी पक्ष की बेटे के प्रेम-प्रसंग का मामला खुल गया था। यह लोग हैं नामजद- पीड़ित युवक के पिता ने सिविल लाइंस थाने में आठ आरोपियों को नामजद किया है। इसमें हजार, इसका बेटा आकाश, पिंकू और इसकी पत्नी रजनी, शर्मा, अंबरशरी, कमल, अरविंद हैं। वीडियो देख रिश्तेदार ने दी खबर- पीड़ित के पिता ने पुलिस को बताया है कि जब वीडियो वायरल हुई तो उनके पास रिश्तेदार का फोन आया कि तुम्हारे बेटे का वीडियो वायरल हो रहा है। तुम्हारा बेटा किन्हीं लोगों के कैद में है। वीडियो में पीड़ित कई बार बेहोश होता दिख रहा है, उसकी जान को खतरा है। फोन पर यह सुनकर पीड़ित किशोर के पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। फिर वह रते-बिखलते बेटे की तलाश में निकला था। उसी दौरान रात के करीब 11 बजे पाकबड़ा थाने से फोन आया कि तुम्हारा बेटा थाने में है।

अमरोहा में मौर्य: कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा, प्रदेश में चल रही भाजपा की आंधी, सपा समाप्तवादी पार्टी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अमरोहा में कहा कि मोदी को हराने के लिए भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे सभी विपक्षी दल एक हो गए। कांग्रेस की हालत आईसीयू में पड़ी पार्टी और एक्सपायरी दवा की तरह हो गई है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह चुनाव ऐतिहासिक है। गरीब की गरीबी को दूर करने, महिला को सशक्त बनाने, अन्नदाताओं को मजबूत और नौजवानों को रोजगार देने वाला चुनाव है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र जारी तो किसी वर्ग का ध्यान नहीं रखा गया। सत्ता से की हालत आईसीयू में पड़ी पार्टी और एक्सपायरी भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे सभी विपक्षी दल एक हाईवे स्थित एक बैंक्रेट हॉल में आयोजित बूथ सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा की काम कांग्रेस 60 सालों में नहीं कर पाई, वह काम सत्ता में थी तब न गरीबों का ध्यान दिया गया, न याद आने लगे हैं। सपा-कांग्रेस का गठबंधन गए। अमरोहा से इस बार फिर से दानिश अली सपा-बसपा-रालोद के गठबंधन से जीते थे। इस दानिश अली संसद का मुंह देख पाएंगे क्या। हुई हैं। समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी रहे हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा यात्रा छोड़कर भाजपा में आए गए। राहुल गांधी दूध से मक्खी की तरह निकालकर बाहर कर दिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस बार 2019 का बदला लेना है। जिस तरह कश्मीर से धारा 370 हटाई गई और तिरंगा फहराया गया। उसी तरह हर बूथ पर 370 वोटों को बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चलना है। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ने की। सम्मेलन में सत्यपाल सिंह पाल, भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर, लोकसभा प्रभारी राजीव सिसोदिया, बृजेश चौधरी, विधायक राजीव तरारा, महेंद्र खड़कवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



किया है, वह झूठ का पुलिंदा है। कांग्रेस जब सत्ता में थी वियोग क्या हुआ, सब लोग याद आने लगे हैं। कांग्रेस दवा की तरह हो गई है। मोदी जी को हराने के लिए हो गए। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्मेलन के दौरान मौजूद रहे। दोपहर ढाई बजे उप मुख्यमंत्री आंधी चल रही है और विपक्ष की हवाइयां उड़ी हुई हैं। जो नरेंद्र मोदी ने दस सालों में करके दिखाए। जब कांग्रेस किसानों का, न अगड़ों का न पिछड़ों। अब सब लोग है। भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे सभी विपक्षी दल एक हो को गठबंधन से प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 में वह बार न तो रालोद और न ही बसपा उनके साथ है। ऐसे में भ्रष्टाचार की इमारत खड़ी करने वालों की हवाइयां उड़ी होने वाली है। सपा अध्यक्ष के चाचा लोगों को धमका निकालने के लिए निकले, लेकिन कांग्रेस के नेता यह और अखिलेश यादव के लिए कहा कि उन्हें जनता ने

तालिब खान ने राकेश बन युवती को प्रेमजाल में फंसाया, आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की दी धमकी

युवती ने जिसे राकेश समझकर प्यार किया, उसका असली नाम तालिब खान निकला। उसकी हकीकत सामने आई तो वह दंग रह गई। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रंगदारी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। शाहजहांपुर में दूसरे समुदाय के युवक ने खुद को हिंदू बताकर सिंधौली क्षेत्र की अनुसूचित जाति की युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। आपत्तिजनक फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि युवक ने उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। उससे पांच लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। पीड़िता ने सिंधौली थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। युवती ने थाने में तहरीर देकर बताया कि दो साल पहले उसकी दोस्ती राकेश नाम के युवक से हुई थी। फोन पर बातचीत करने के बाद नजदीकियां बढ़ गईं। आरोप है कि युवक ने धोखा देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और फोटो खींच लिए। करीब चार माह पहले उसे पता चला कि युवक का असली नाम तालिब खान है। वह जेबीगंज जिला लखीमपुर खीरी का रहने वाला है। उसने बातचीत करना बंद कर दी तो युवक ने परिजनों को धमकाना शुरू कर दिया। पीड़ित युवती ने बताया कि आरोपी फोटो वायरल करने की धमकी देते हुए धर्म परिवर्तन करने या पांच लाख रुपये की मांग कर रहा है। पुलिस ने तालिब के खिलाफ दुष्कर्म, रंगदारी मांगने, धमकी देने समेत एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र गुप्ता ने बताया कि मामले की विवेचना कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

आठ अप्रैल को लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण, भारत में नहीं होगा दृश्य

ग्रहण के दौरान किसी भी कार्य में रोक नहीं रहेगी। सूर्य ग्रहण का 12 राशियों के जातकों पर प्रभाव पड़ेगा। सूर्य ग्रहण हस्त नक्षत्र और कन्या राशि में लगेगा। वहीं, चंद्रमा बुध और केतु के साथ कन्या राशि में होगा। आठ अप्रैल को लगने वाला यह पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। वर्ष का पहला सूर्य ग्रहण आठ अप्रैल को लगेगा। लगभग 50 साल के बाद सबसे लंबी अवधि के सूर्य ग्रहण का भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत में कारण न तो सूर्य ग्रहण का ना ही ग्रहण का कोई आठ अप्रैल को रात्रि में सूर्य ग्रहण होगा। काशी न्यास के सदस्य पं. दीपक कि. चैत्र नवरात्रि के शुरू पहले चैत्र अमावस्या पर सूर्य ग्रहण लगेगा। आठ वाला यह पूर्ण सूर्य ग्रहण रात 9:12 बजे से शुरू होगा। लगभग 50 साल के अवधि का सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। हालांकि ये सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा। क्योंकि ये रात में लग रहा है। सूर्य ग्रहण कनाडा, मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट्स, नीदरलैंड, कोलंबिया, ग्रीनलैंड, आयरलैंड, नॉर्वे, जमैका, रूस, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम और वेनेजुएला समेत दुनिया के कुछ हिस्सों में नजर आएगा। शास्त्रों के अनुसार सूर्य ग्रहण अगर दृश्य नहीं है तो उसका मान भी नहीं होगा और सूतक की मान्यता भी नहीं होगी। ग्रहण के दौरान किसी भी कार्य में रोक नहीं रहेगी। पं. मालवीय ने बताया कि सूर्य ग्रहण का 12 राशियों के जातकों पर प्रभाव पड़ेगा। सूर्य ग्रहण हस्त नक्षत्र और कन्या राशि में लगेगा। वहीं, चंद्रमा बुध और केतु के साथ कन्या राशि में होगा। जातकों को इस दौरान मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सूर्यग्रहण से 12 घंटे और चंद्रग्रहण से पांच घंटे पहले लगता है सूतक-ग्रहण के पहले सूतक काल की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान किसी भी तरह का शुभ काम या पूजा-पाठ करना वर्जित होता है। सूर्य ग्रहण लगने पर सूतक काल ग्रहण के शुरू होने के 12 घंटे पहले लग जाता है वहीं चंद्र ग्रहण पर सूतक काल ग्रहण लगने के 5 घंटे पहले लगता है।



दृश्य नहीं होने के सूतक लगेगा और ग्रहण पूर्ण सूर्य विश्वनाथ मंदिर मालवीय ने बताया होने से एक दिन साल का पहला अप्रैल को लगने होगा। सूर्य ग्रहण और 2:22 बजे पूर्ण बाद 5.25 घंटे की

हाईटेक हुआ चुनाव : अब नहीं दिखते पुराने तरीके, न ढोल मजीरा न चुनावी गीतों की बहार

दौर बदला तो राजनीतिक फिजा में चुनाव प्रचार के तरीके भी नए हो गए। आधुनिक तनावपूर्ण जीवन शैली, भविष्य संवारने की जहोजहद में अपना गांव, घर छोड़कर परदेश कमाने में जिंदगियां खासकर युवा वर्ग मशगूल हो गया। जिससे महानगरों की तो बात ही दूर है गांव देहात का परिदृश्य भी लगभग बदल गया है। प्रचार में ढोल मजीरा लेकर चुनावी गीत गाते हुए महिलाओं, पुरुषों की टोलियों का दर्शन अब पुराने जमाने की बात हो गई है। उसकी जगह एंड्रॉयड और स्मार्ट मोबाइल ने ले ली है। चुनावी तापमान सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर घट-बढ़ रहा है। इसीलिए तो राजनीतिक दलों, मीडिया घरानों का झुकाव भी अपने सोशल प्लेटफार्म पर अधिक है। 80-90 के दशक तक लोकतंत्र के उत्सव में टोलियां ढोल मजीरा बजाते हुए चुनावी रंग में रंग जाते थे। घरों व गलियों में हमरे लाल के यह चुनाव निशान गीत गाकर वोट देने को प्रेरित करते थे। लेकिन, तकनीकी दौर में सब अंदाज व ढंग बदलने से चुनाव का रंग केवल टीवी, मोबाइल स्क्रीन और लैपटॉप तक सिमट कर रह गया है। आयोग की सख्ती भी बनी कारण- चुनाव प्रचार के आयोग की सख्ती भी है। निर्वाचन आयोग की है और न दीवारों पर चुनावी नारों का लेखन। पर पहले की तरह लोग खुलकर चर्चा करने से पर चुनावी रंग में डूबा रहता है। मतदाताओं के रंग, आत्मीयता की जगह तकनीक हावी अब पुराना तरीका बदल गया है। पहले ढोल मजीरा में घर-घर प्रचार करती थीं। मन में सबके चुनाव जीतने की जिद रिश्तों में विष घोल रही रहे हैं। रही सही कसर सोशल मीडिया साइट्स हालांकि पहले जैसा हंसी खुशी का माहौल न शिक्षिका पहले प्रचार व मतदान मेला जैसा गई। जब से मताधिकार की उम्र हुई तब से हर का रंग फीका है। आम चुनाव उत्सव न होकर में प्रचार के लिए टोलियां निकलती थीं। लोग हंसी ठिठोली के बीच उल्लास में रहते थे। वोट कई पीढ़ियों का मेल होता था, लेकिन मोबाइल ने अब सब कुछ बदल दिया है। चुनाव का माहौल पहले जैसा नहीं रहा, सूनापन लगता है।-रानी देवी, लाइन्पार मोबाइल ने लील ली चुनाव प्रचार की खुशी- प्रचार करने का तरीका बदलने से पता नहीं चलता कि चुनाव चल रहा है। बच्चे और नौजवान मोबाइल व लैपटॉप पर चुनाव प्रचार कर व देख रहे हैं। हमारे समय में मोहल्लों से जब प्रचार शुरू होता था, तो सभी घरों से एक-एक व्यक्ति निकलकर आते थे। जैसे-जैसे मोहल्ले बढ़ते जाते थे भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा होती थी। अपने प्रत्याशी और पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए जाते थे। चौपाल पर जाकर सभी से बात की जाती थी। उसी को सभी लोग वोट देते थे।-बृजपाल गुप्ता, छतरी वाला कुआं, पाकबड़ा गाते बजाते होता था प्रचार, अब पसरा है सन्नदात- पहले के जमाने में चुनाव प्रचार का अंदाज अलग था। आज जैसी उदासी नहीं। पहले चुनाव आयोग की सख्ती भी ऐसी नहीं थी। उस समय ढोल नगाड़े, मजीरा लेकर गाते बजाते प्रत्याशी का प्रचार करते थे। भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा होती थी। प्रत्याशी सबके सामने वोट की अपील करते थे। आसपास के गांव में भी जिसके पास जो वाहन होता था उससे ही प्रचार करते थे। पहले चुनाव प्रचार का एक साधन गल्ला समिति हुआ करती थी। सभी लोग वहां से खाद लेने आते थे वहीं चर्चा होती थी।-ऋषिपाल सिंह, मोहल्ला पश्चिमी ठाकुरान, पाकबड़ा



तरीके बदलने की प्रमुख वजह में से एक चुनाव सख्ती से न तो कहीं चुनाव प्रचार सामग्री दिखती यहां तक कि चौक-चौराहे व चाय की दुकानों भी बचते हैं। युवा वर्ग तो केवल सोशल मीडिया मन की बातें- अब नहीं रहा पहले जैसा चुनावी लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा, प्रचार का लेकर पुरुषों, महिलाओं की टोलियां गली मोहल्लों आत्मीयता भी थी, लेकिन अब हर कीमत पर है, लोग सार्वजनिक रूप से कुछ कहने से बच ने पूरी कर दी, जब प्रचार इसी पर हो जा रहा है। होना अब टीसता है।-मिथलेश शर्मा, सेवानिवृत्त लगता है, अब है सूनापन- 64 वर्ष की उम्र हो चुनाव में मतदान किया। लेकिन, अब चुनाव औपचारिकता बन गया है। पहले गली-मोहल्लों प्रचार में भी वैमनस्यता का भाव नहीं रखते थे। देने के लिए भी लोग समूह में जाते थे। बूथ पर

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अभिनेता राज साहू को छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण समिति का प्रदेशाध्यक्ष युवा विंग नियुक्त किया

क्यूँ न लिखूँ सच

छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण समिति के संस्थापक /अध्यक्ष मनोज वर्मा ने छत्तीसगढ़िया अभिनेता राज साहू को छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण प्रदेशाध्यक्ष युवा विंग छत्तीसगढ़ पत्रकार समिति के संस्थापक/ वर्मा जी (स्वतंत्र) ने पत्रकार जनकल्याण प्रदेशाध्यक्ष युवा विंग साहू छत्तीसगढ़िया अभिनेता एवं प्रोड्यूसर छालीवुड सुपर स्टार को नियुक्त किया गया है इनकी नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष जनरल कमेटी से प्रकाश बहपकड़िया, जी एवं अजय वर्मा जी की अनुशंसा पर किया गया। राज साहू के नियुक्त किए जाने पर युवा विंग के साथ साथ संगठन को भी मजबूती मिलेगी, श्री स्वतंत्र ने कहा की राज साहू जी युवाओं के लिए अपनी जगह में एक अलग पहचान रखते हैं राज साहू जी को प्रदेशाध्यक्ष युवा विंग बनने पर संगठन के साथ साथ प्रदेश भर ने खुशी की लहर दौड़ गई। बधाई देने वालों ने संगठन के चेयरमैन त्रिलोचन सिंह सलूजा, सी ई ओ मिथलेश कुमार वर्मा, एम. डी. श्रीमती भामा साहू पूर्व युवा प्रदेशाध्यक्ष दुर्जन वर्मा (दुर्गेश) प्रदेशाध्यक्ष महिला विंग श्रीमती भगवती शर्मा कोषाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वर्मा, (कानूनी सलाहकार) श्रीमती वर्षा जैन, श्रीमती (प्रदेश सह प्रभारी) रूपेश कश्यप रंजना सिंह चौहान जिला महासचिव(महिला सेल) , सुनील कुमार साहू प्रदेशाध्यक्ष (प्रिंट मीडिया) , रविंद्र देवांगन प्रदेश उपाध्यक्ष (युवा विंग)। देवनाथ वर्मा कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन एवं प्रदेश भर से राज साहू जी को प्रदेशाध्यक्ष बनाएं जाने पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं है।



भारतीय किसान यूनियन

श्रावस्ती होली मिलन

समारोह का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद कुमार यादव

जनपद श्रावस्ती- विकासखंड गिलौला के रत्नापुर में भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें



जनपद के कोने-कोने से आए हुए भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे होली मिलन समारोह के अध्यक्षता कर रहे पवन कुमार वर्मा अपने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि जनपद में संगठन को बढ़ाने का काम बहुत जोर और शोर के साथ किया जाएगा ताकि जनपद के सभी किसानों का शोषण अधिकारियों द्वारा भाजपा सरकार में हो रहा है अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेग मंच का संचालन कर रहे प्रमोद तिवारी ने भी संगठन विस्तार करने के बारे बताया और कहा कि जब तक हम लोग संगठन को मजबूत नहीं कर पायेगे तब तक हम लोगो का शोषण इसी प्रकार होता रहेगा हमे अपने कार्य को कराने के लिए अन्दोलन भी करना पड़े तो तैयार रहना होगा .होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा प्रदेश अध्यक्ष राम किशोर परेल मध्यांचल सचिव मोहन लाल वर्मा मंडल अध्यक्ष हृदय राम वर्मा का स्वागत किया गय भोजन के उपस्त समारोह का हुआ समापन

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

दक्ष प्रजापति की तेरह कन्याओं से विवाह कर स्रष्टि रचियता कहलाए भगवान महर्षि कश्यप - डेविड

क्यूँ न लिखूँ सच
एटा ! परम्परागत रूप से आज शुक्रवार को महर्षि कश्यप सदाभावना समिति के बैनर तले मेहता पार्क से ग्यारवें महर्षि कश्यप गुहाराज निषाद जंयती मेला शोभायात्रा का रंगा रंग शुभारंभ कश्यप समाज के गणमान्य बंधुओं में इंजी. सुनेन्द्र कश्यप, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार कश्यप, इंजी. नरेंद्र कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप बाबूजी, डा. वी. पी सिंह, मानव हित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋणा गोपाल सिंह कश्यप, सत्येन्द्र कश्यप बाँबी सहित मेला संयोजक सी.पी. कश्यप के मध्य सदर विधायक एवं सभापति उत्तर प्रदेश पंचायती राज विपिन वर्मा डेविड के कर कमलों से फीता काट कर किया गया ! शोभायात्रा के शुभारम्भ से पूर्व ठन्डी सड़क स्थिति भगवान महर्षि कश्यप मंदिर पर समपत्र किए गए हवन में मौजूद कश्यप निषाद समाज के सैकड़ों बंधुओं को संबोधित करते हुए शोभायात्रा के मुख्य अभिनंदनीय अतिथि विपिन वर्मा डेविड ने कहा कि सूर्य वंश के पूर्वज मरीचि के पुत्र ब्रह्मवर्त के दूसरे राजा उत्तमपाद के समकालीन भगवान महर्षि कश्यप जिन्होंने दक्ष प्रजापति



की तेरह पुत्रियों से विवाह कर स्रष्टि का विकास किया, ऐसे स्रष्टिकर्ता व सप्त श्रिषि मुनियों में सर्वश्रेष्ठ भगवान महर्षि कश्यप एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के बाल सखा निषाद वंश के कुलभूषण महाराज गुहाराज निषाद को नमन करता हूँ जिन्होंने आदिकाल में कश्यप निषाद वंश को अपने न्यायप्रिय कार्यों से गौरवान्वित किया ! इस अवसर पर मेला संयोजक सी. पी. कश्यप सहित स्वजातीय बंधुओं ने भगवान महर्षि कश्यप एवं गुहाराज निषाद के रथों पर पुष्पों की वर्षा करते हुए मुख्य अतिथि सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड को सम्मान स्वरूप पगडी पहनाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया ! बेन्बबाजों की धुन पर शहर के मुख्य मार्गों से निकलती हुई शोभायात्रा में देवाधिदेव

भगवान शंकर, गणेश, एवं भगवान श्री राम को झूठे बेर खिलाने वाली माता शबरी की अद्भुत झाकियों को सजाकर निकाला गया ! शोभायात्रा में हरिश चन्द्र कश्यप एड., धर्मेन्द्र कश्यप शास्त्री, मुन्नालाल कश्यप, डा. अर्जुन सिंह कश्यप, चरन बिहारी कश्यप, संजय कश्यप बाबू, राजवीर सिंह, योगेश कुमार कश्यप, देवांश वर्धन कश्यप, रवि कश्यप, गुलजारी लाल कश्यप, अजय कश्यप, पुष्पेन्द्र कश्यप, राजेश कश्यप बी. डी. सी., कमलेन्द्र कश्यप, भगवान दास कश्यप, विजय कश्यप, सुनील कश्यप, मुकेश कश्यप, विजयपाल कश्यप, अनोखेलाल कश्यप, मथुरा प्रसाद कश्यप, नरेन्द्र कश्यप आदि सैकड़ों की संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद रहे !

भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा के जन समर्थन में हुई कई बैठकें



क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा
सीधी- भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव ने स्थानीय वैशणवी गार्डन में अनुसूचित जाति वर्ग के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में अनुसूचित जाति के वर्गों का सशक्तिकरण और उत्थान हुआ है।
चाहे निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था हो, छात्रवृत्ति हो या फिर सेवा के क्षेत्र सभी जगह अनुसूचित जाति के वर्ग के लोगों का जीवन स्तर उठा है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर जाटव ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जाति वर्ग वर्ग के लोगों को केवल वोट बैंक बना कर रखा था। 60 वर्षों के शासनकाल में हमारा कांग्रेस ने भरपूर शोषण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के चलते, आज देश विश्व की महाशक्ति बनने जा रहा है। भारत विश्व गुरु बने और विकास की यह अविरोध धारा चलती रहे इसके लिए भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। इसके पश्चात भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का

कार्यकर्ता सम्मेलन, साकेत समाज, कोरी समाज, प्रजापति समाज और बंसल समाज की सामाजिक बैठकें और बृथ सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी कमलेश्वर सिंह, लोकसभा संयोजक के के तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष बृजबिहारी लाल शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति के लोकसभा प्रभारी सुभाष वर्मा, सह प्रभारी

एवं अनुसूचित जाति मोर्चा सीधी जिला अध्यक्ष राकेश मोर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवदान साकेत, जिला महामंत्री महेश प्रजापति, उपाध्यक्ष शिवलाल साकेत, सुमन साकेत, मोहित वर्मा, बृजेन्द्र साकेत, राजेश कोरी, राम बहादुर साकेत, हरिकेश साकेत सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डरी हुई भाजपा छल बल से जीतना चाहती है, घोषणापत्र के पांच न्याय को घर घर ले जायें- अजयसिंह

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा
सीधी- पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने किए वादे पूरे नहीं किये देश और प्रदेश का किसान, युवा और महिलाओं सहित समाज का हर वर्ग भाजपा की सरकार से परेशान हो चुका है वे चुरहट क्षेत्र के ग्राम बघवार, रामपुर नैकिन, पटौहा और कुस्यरी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा की भाजपा इतनी डरी हुई है कि छल बल के सहारे वोटों को लुभाने का प्रयास कर रही है और 400 पार का नारा देकर मनोवैज्ञानिक दबाव डाल रही है
आप सभी ने इनके छल बल के चक्रव्यूह को तोड़कर जिस प्रकार मुझे चुरहट विधानसभा में ऐतिहासिक विजय दिलाई है उसी प्रकार लोकसभा चुनाव मे कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी को विजयी बनाइए। यह चुनाव कमलेश्वर पटेल नहीं लड़ रहे हैं बल्कि कांग्रेस पार्टी का एक-एक जाबाज कार्यकर्ता चुनाव लड़ रहा है। भाजपा अपने को चुनावों में हारा हुआ मानकर सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी दल के नेताओं को



पेशान कर रही है और उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोकने की कोशिश कर रही है महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार अपने चरम पर है विधानसभा में किए गए वादों को भाजपा ने नहीं निभाया है
उन्होंने कहा की इलेक्टोरल बॉन्ड का डाटा सार्वजनिक होने के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा मचाई गई लूट देश के सामने आ गई है और बीजेपी का भ्रष्टाचारी चेहरा जनता के सामने बेनकाब हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने सभी समाज के लोगों के लिए योजनाएं बनाई कांग्रेस पार्टी ही सर्व समाज का विकास कर सकती है हम सब मिलकर और संगठित होकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। बैठक में अपने विचार

व्यक्त करते हुए लोकसभा प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल ने कहा कि किसानों की समस्या, युवाओं की समस्या और जनहित के सभी मुद्दों को लेकर आपको जन-जन तक पहुंचना है आम जनमानस में भाजपा सरकार के प्रति आक्रोश है। कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी होता है लोकसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के दम पर लड़ रही है और उन्हीं के दम पर जीतेगी हम सभी को संगठित होकर उत्साह के साथ बृथ स्तर पर लड़ाई लड़नी है हम सभी को जन-जन तक पहुंचना है और उन्हें भाजपा की जन विरोधी नीतियां बतानी हैं हमें कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषित पांच न्याय को घर घर पहुंचाना है।

अंग्रेजों के कार्यकाल से चले आ रहे कानून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किए समाप्त - जितेन्द्र लिटोरिया

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा
सीधी- मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त और भारतीय जनता पार्टी के शहडोल और रीवा संभाग के पूर्व संभाग के संगठन मंत्री जितेंद्र लिटोरिया ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा के लिए बहरी क्षेत्र के अधिवक्ताओं की बैठक लेकर जन समर्थन मांगा। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व संभागीय संगठन मंत्री जितेंद्र लिटोरिया ने कहा कि देश की आजादी के पश्चात अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे 4000 से अधिक कानूनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त कर ऐतिहासिक कार्य किया है। श्री लिटोरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक



के एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो अपने कार्यकाल में ही शिलान्यास भी करते हैं, भूमि पूजन भी करते हैं और उद्घाटन भी करते हैं। यह मोदी जी की गारंटी है। देश सशक्त और समृद्धशाली बने इसके लिए भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर राजेश मिश्रा को प्रचंड मत्तो से विजयी बनाकर दिल्ली भेजें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष

अनिल पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष पुनीत पाण्डेय, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजमणि साहू, विस्तारक शिवदत्त मिश्रा, कृष्णकांत द्विवेदी, महामंत्री श्यामलाल यादव, रमेश तिवारी, जय प्रकाश पाण्डेय, शंकरलाल साहू, मीडिया प्रभारी सिंहावल सुभाकर द्विवेदी सहित वरिष्ठ अधिवक्ता साथी उपस्थित रहे

चैत्र नवरात्र कब से हो रहे शुरू 8 या 9 अप्रैल? बन रहे ये शुभ संयोग

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्र शुरू होते हैं। इस साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि में नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 दिन मंगलवार से हो रही है। पहले दिन घटस्थापना के साथ पूरे नौ दिन मां दुर्गा की 9 शक्तियों की पूजा होती है। चैत्र नवरात्र 9 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। इस बार चैत्र नवरात्र पर 30 साल बाद अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, शश योग माता घोड़े की सवारी पर आ अलग-अलग स्वरूपों की शुरू हो रहे हैं। ज्योतिषाचार्य रहे सर्वार्थ और अमृत सिद्धि 9 अप्रैल को सुबह 6:02 से 12:48 बजे तक करना विशेष ज्योतिषाचार्य आलोक ने अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ संयोग बनेगा। उस दिन अमृत से प्रारंभ होगा। इसके अलावा लेकर सुबह 7:32 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से अश्विनी नक्षत्र सुबह 7:32 बजे से अगले दिन 10 अप्रैल को सुबह 5:06 बजे तक रहेगा। ज्योतिषाचार्य शरद ने बताया कि इसके अलावा चैत्र नवरात्र के पहले दिन चंद्रमा मीन राशि में सुबह 7:32 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से मेष राशि में विद्यमान होगा। मंगलवार को हो अश्विनी नक्षत्र तो बनता है अमृत सिद्धि योग- ज्योतिषाचार्य आलोक ने बताया कि यदि मंगलवार को अश्विनी नक्षत्र हो तो वह अमृत सिद्धि योग बनाता है। इस बार के नवरात्र में अश्विनी नक्षत्र के दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा है। जिस दौरान सूर्य का मीन राशि में प्रवेश भी होगा ऐसा संयोग 30 साल बाद बन रहा है जो बहुत शुभ है।



अश्विनी नक्षत्र का सुंदर संयोग बन रहा है। इस वर्ष रही हैं। नवरात्र में 9 दिनों तक आदिशक्ति मां दुर्गा के उपासना की जाती है। इस बार 9 अप्रैल से चैत्र नवरात्र कामेश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि इस चैत्र नवरात्र में बन योग की उपासना अक्षय फल देने वाली है। घट स्थापना लेकर 10:16 बजे तक और सुबह 11:57 से दोपहर लाभदायक है। इस वर्ष माता की सवारी घोड़ा है। बताया कि इस बार चैत्र नवरात्र पर 30 साल बाद सिद्धि योग, शश योग और अश्विनी नक्षत्र का सुंदर सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:32 बजे चैत्र नवरात्र के पहले दिन रेवती नक्षत्र प्रारंभकाल से लेकर सुबह 7:32 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से मेष राशि में विद्यमान होगा। मंगलवार को हो अश्विनी नक्षत्र तो बनता है अमृत सिद्धि योग- ज्योतिषाचार्य आलोक ने बताया कि यदि मंगलवार को अश्विनी नक्षत्र हो तो वह अमृत सिद्धि योग बनाता है। इस बार के नवरात्र में अश्विनी नक्षत्र के दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा है। जिस दौरान सूर्य का मीन राशि में प्रवेश भी होगा ऐसा संयोग 30 साल बाद बन रहा है जो बहुत शुभ है।

संक्षिप्त समाचार

पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल
श्रावस्ती - जमुनहा तहसील क्षेत्र के थाना हरदत्त नगर गिरंट पर थाना अध्यक्ष हरदत्त नगर गिरंट अनिल कुमार उपाध्याय ने सभी संभ्रांत लोगों के साथ पीस कमेटी बैठक बुलाई। जिसमें सभी संभ्रांत लोगों और ग्राम प्रधानों से अपील करते हुए कहा कि भाईचारे का त्योहार ईद है इसलिए आप सब मिलजुल कर आपसी भाईचारे को कायम रखते हुए खुशी माहौल में ईद त्योहार बनाएं। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार उपाध्याय ने कहा कि यह सबसे पाक पवित्र महीना रमजान का होता है, जिसमें भाई चारे के साथ त्योहार मनाये।

गिरंट-नानपारा मार्ग पर बस चलाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच - अरविन्द कुमार यादव
श्रावस्ती - नानपारा-बदला मार्ग पर बस न चलने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है गौरतलब हो कि करीब दो माह से इसी गिरंट बाजार मिर्जापुर चौराहा इमलिया चौराहा बदला चौराहा से हजारों की संख्या में लोग इन्हीं ई-रिक्शा से अपनी जान जोखिम में डालकर दुगना पैसा खर्च कर अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए बाध्य हो रहे हैं। क्योंकि इन दिनों इस ई-रिक्शा की भरमार है और बसों में सफर करने वाले यात्रियों को चौराहे पर खड़े ई-रिक्शा चलाने वाले झांसे में डालकर कम किराए की बात कर उन्हें बैठाकर पहले ही सड़क पर चल देते हैं जब रास्ते में पहुंचते हैं तो उनसे दुगना किराए लेते हैं अगर कोई आनाकानी करने लगा तो वह उनसे मारपीट करने पर भी उतारा हो जाते हैं। क्षेत्रवासियों ने गिरंट नानपारा बदला चौराहा से पन: बस संचालन शुरू करने की अपील श्रावस्ती जिला प्रशासन से लेकर बस यूनियन के पदाधिकारियों से की है।

मरी माता मंदिर रोड के चौड़ीकरण के आठ अप्रैल से तोड़े जाएंगे मकान-दुकान, घोषणाएं शुरू की गई

लखनऊ में मरी माता मंदिर के चौड़ीकरण के आसपास बने मकान-दुकान पर आठ अप्रैल से बुलडोजर चलेगा। इसके लिए अनाउंसमेंट किया जा रहा है। मरी माता मंदिर रोड के चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले निर्माणों पर आठ अप्रैल से बुलडोजर चलाने की तैयारी है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने पुलिस आयुक्त को पत्र भेज कर पुलिस बल मुहैया कराने का अनुरोध भी कर दिया है और लोगों को जागरूक करने के लिए अनाउंसमेंट भी शुरू कर दिया है। मरी माता मंदिर के सामने वाली रोड के चौड़ीकरण में अर्जुनगंज के 100 से अधिक मकान-दुकान टूटेंगे। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने नोटिस जारी किए थे, जिसका समय भी पूरा हो गया है। अब आठ अप्रैल से चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले निर्माण को तोड़ने की तैयारी है। जो निर्माण तोड़े जाने हैं वे सुल्तानपुर रोड पर अभी मरीमाता मंदिर के बाद अर्जुनगंज से अहिमामऊ चौराहा तक करीब 1720 मीटर के दायरे में है। इस दायरे में अभी सड़क दो लेन ही है, जिसको चौड़ी किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के एक इंजीनियर ने बताया कि सड़क के दोनों ओर पांच-पांच मीटर के दायरे में जो भी मकान और दुकान हैं वह सब आगे बढ़ाकर बने हैं। इन्हें तोड़ा जाएगा। इसके लिए नोटिस की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब सुरक्षा को लेकर पुलिस बल मांगा गया है। फोर्स मिलने पर आठ अप्रैल से अभियान चलाया जाएगा।



हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करें-9027776991

एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में सूरमा -11 ने मैच जीता

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। गुरुद्वारा श्रीगुरू सिंह सभा माडल टाउन सेवा समिति द्वारा खालसा साजना दिवस,बैशाखी के उपलक्ष्य में एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट मैच का आयोजन पद्मावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में शुरुवार को आयोजित किया गया। जिसमें टीम सिंह -11 सूरमा -11 खालसा -11 वीर खालसा -11 चार टीमों ने मैच में भाग लिया।फाइनल मैच टीम खालसा- 11 एवं सूरमा -11 के बीच हुआ। जिसमें सूरमा टीम ने बड़ी ही आसानी से पांच ओवर में ही पूरी टीम को आउट कर कसान



हरमीत सिंह मेहता ने मैच अपने नाम कर लिया।अमर पाल सिंह रैम्पी ने हैट्रिक के साथ जसप्रीत ने चार विकेट लेकर विपक्षी टीम को धराशायी कर दिया।खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने के लिए गुरुद्वारा कमेटी के मुख्य सेवादार मलिक सिंह कालरा,कालेज के चेयरमैन पारूष अरोड़ा,

प्रधानाचार्या ममता सक्सेना, कुलदीप सक्सेना,पूनम आर्या,अमर पाल सिंह रैम्पी, सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।विजेता एवं उप- विजेता टीमों को सात अप्रैल को श्री डोरी लाल स्टेडियम में एमरान रैम्डीज की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

शामली में 9 अप्रैल को रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली रालोद सुप्रीम जयंत चौधरी आगामी 9 अप्रैल को कैराना लोकसभा क्षेत्र के उन क्षेत्र में एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे जैन चौधरी का हेलीकॉप्टर थाना भवन रोड ईट भट्टा के पास उत्तरेगा वहां से थाना भवन पर पहुंच कर भाजपा सांसद प्रदीप चौधरी के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे रालोद और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभा की तैयारी शुरू कर दी है रालोद के जिला अध्यक्ष वाजिद अली ने बताया कि रालोद सुप्रीम जयंत सिंह चौधरी आगामी 9 अप्रैल को अन बाईपास पर चौसना मोड पर चुनावी सभा को संबोधित



करेंगे जयंत चौधरी की चुनावी सभा स्थल चौसना मोड पर होगी वह हेलीकॉप्टर से आएंगे दोपहर 12:00 बजे चुनावी सभा होगी दूसरे चरण में रालोद सुप्रीमो जयंत सिंह रोड सो निकलेंगे रोड शो बागपत सीमा से शुरू होकर मुजफ्फरनगर सीमा पर खत्म होगी रोड शो के कार्यक्रम की तारीख अभी निश्चित नहीं हुई है



नुकड़ नाटक द्वारा मानसिक तनाव से वचाव को लेकर जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा नगर के मोहल्ला मोहनपुर में शुरुवार को मानसिक तनाव से आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से नुकड़- नाटक प्रस्तुत

कर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभासद राधा रानी समाजसेवी चम्पत लाल उर्फ देवीदास कार्यक्रम इंचार्ज डॉक्टर अजय कुमार अग्रवाल ने किया। नुकड़ - नाटक में मुख्य रूप से माता- पिता द्वारा बच्चों को कभी



परीक्षा में कम -ज्यादा अंकों के लिए प्रताड़ित न करने तथा

बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने तथा संयुक्त परिवारों में रहने की सलाह के साथ मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए डाक्टरों की सलाह लेने तथा झाड़ू-फूंक करने वालों से

दूर रहने को लेकर जागरूक किया गया।

वरिष्ठ डॉक्टर अजय अग्रवाल, डॉक्टर दीपक शर्मा ने भी अपने सम्बोधन में जानकारी देकर जागरूक

किया।इस मौके पर वश डॉक्टर अनन्या चतुर्वेदी, डॉक्टर अदिति त्रिपाठी, डॉक्टर अभिनव मिश्रा, डॉक्टर आदित्य भारद्वाज डॉक्टर अंशु कुमारी खेमका डॉक्टर अभिषेक खरायत डॉक्टर तमिष वालिया, डॉक्टर अखिल वरमानी, डॉक्टर इंदु कुंदन, दीपमाला ,कासिम हुसैन, राजीव, वेदपाल, सरला ,अनीता, निक्की, अनिल कुमार, पूजा शर्मा, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

यूपी के 17 लाख मदरसा छात्रों को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट का ये कहना कि मदरसा बोर्ड संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत का उल्लंघन करता है, ये ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च को दिए आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के ये कहना कि मदरसा बोर्ड संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत का उल्लंघन करता है, ये ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही मदरसा बोर्ड के 17 लाख छात्रों और 10 हजार अध्यापकों को अन्य स्कूलों में समायोजित करने की प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस भी जारी किया है। हाईकोर्ट ने बताया था असंवैधानिक- अंशुमान सिंह राठौर नामक एक वकील ने यूपी मदरसा कानून की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने मदरसा कानून को असंवैधानिक मानते हुए इसे खत्म करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट की जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की डिविजन बेंच ने अपने आदेश में कहा कि सरकार के पास यह शक्ति नहीं है कि वह धार्मिक शिक्षा के लिए बोर्ड का गठन करे या फिर किसी विशेष धर्म के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड बनाए।% इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अपने आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह राज्य के मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को अन्य स्कूलों में समायोजित करे। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में ये भी कहा था कि मदरसा कानून यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) कानून 1956 की धारा 22 का भी उल्लंघन करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 16,513 पंजीकृत और 8,449 गैर पंजीकृत मदरसे राज्य में संचालित हैं। जिनमें करीब 25 लाख छात्र पढ़ते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर संघमित्रा बोलीं- मेरे आंसू देख पिता को गुस्सा आता है तो इसमें गलत क्या है

सीएम योगी के मंच पर बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्य के आंसू छलकें थे। रोते हुए उनका वीडियो भी वायरल हुआ था। इस पर उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था कि संघमित्रा को ऐसी हरकत नहीं करनी चाहिए थी। पिता के डांटने पर संघमित्रा ने कहा कि बेटी की आंखों में आंसू देखकर पिता को गुस्सा आता है तो इसमें गलत क्या है।बदायूं में मुख्यमंत्री के प्रबुद्ध सम्मेलन में मंच पर आंसू छलकने पर पिता स्वामी प्रसाद मौर्य की प्रतिक्रिया पर सांसद संघमित्रा मौर्य ने कहा कि कभी कोई पिता नहीं चाहेगा कि उसके बच्चों की आंखों में आंसू आए। अगर बेटी की आंखों में आंसू देखकर पिता को गुस्सा आता है तो इसमें गलत कि संघमित्रा को ऐसी हरकत नहीं करनी हैं।सांसद से जब पूछा गया कि सार्वजनिक चाहते तो आपको फोन पर बात करके डांट बच्चे गलती करते हैं तो माता-पिता को कितने भी बड़े हो जाएं, मां-बाप से बड़े वजह से पिता ने ऐसा बयान दिया। इस पर गलत लगा हो। चुनावी कार्यक्रमों में चुनाव पहले हैं, बाकी सब बाद में। मालूम दुर्विजय सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया जोड़ कर देखने की चर्चा तेज हुई थी। द्वारा दशरथ की कहानी सुनते वक्त भावुक इन्कार किया था। यह महिलाओं की महासचिव और लोकसभा चुनाव में बदायूं यादव ने संघमित्रा के आंसुओं के प्रति किया। वह बोले- यह महिलाओं की अनदेखी का मुद्दा है। लखीमपुर खीरी में ऐसे नेता को टिकट दिया गया, जिसके बेटे ने किसानों पर गाड़ी चढ़ाई थी, लेकिन लगातार जनसंपर्क में जुटी संघमित्रा मौर्य का टिकट काट दिया गया। ऐसे में उनका भावुक होना लाजिमी है। बदायूं से आप लड़ेंगे या शिवपाल सिंह यादव? इस प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, इसका फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष लेंगे। जो आदेश होगा उस पर अमल करेंगे।



क्या है। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था चाहिए। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते रूप से पिता की नाराजगी का क्या मतलब है? वह सकते थे। इस पर सांसद बोलीं- ठीक है, अगर पूरा अधिकार होता है कि वे नाराजगी जताएं। बच्चे कभी नहीं हो सकते। ऐसी क्या बात थी, जिसकी संघमित्रा ने कहा कि हो सकता है कि उन्हें कुछ व्यस्तता की वजह से उनसे अभी बात नहीं हुई है। रहे कि इस बार भाजपा ने उनका टिकट काटकर है। लोगों में मंच पर उनके भावुक होने को इसी से हालांकि उन्होंने शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी के होने का तर्क दिया था, जिससे खुद गुलाब देवी ने अनदेखी का मुद्दा-?आदित्य यादव- सपा के राष्ट्रीय से प्रत्याशी शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य हमदर्दी जाहिर की और भाजपा पर सियासी वार

संक्षिप्त समाचार

अवैध शस्त्र फैक्ट्री मामले में आरोपित को तीन साल का कारावास

कानूनी दावपेच में गुजरे 27 साल, पांच हजार जुर्माना भी हुआ एटा- अलीगंज थानाक्षेत्र के गांव चमन नगरिया में 27 साल पहले अवैध शस्त्र फैक्ट्री पर हुई कार्यवाही में पकड़ा गया आरोपित गुरुवार को अदालत ने दोषसिद्ध करार दिया। जिसे अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिल कुमार ने तीन साल के कारावास के साथ पांच हजार रुपया जुर्माने से दंडित किया गया। हुआ यह कि 25 सितंबर 1997 को शाम 4 बजे थानाध्यक्ष डीपी सिंह ने पुलिस कर्मियों के साथ दविश देकर कस्बा अलीगंज के मौहल्ला अंसारी निवासी गुड्डु पुत्र मंगल अंसारी को स्वामी शरण पुत्र बच्चनलाल के साथ चमन नगरिया में अवैध शस्त्र फैक्ट्री चलाते पकड़ा। मौके से बने अधवने असलाह व बनाने के उपकरण बरामद हुए। जिस पर पुलिस ने आरोपियों का चालान कर अदालत भेज दिया। जांच के बाद आए आरोपपत्र के आधार पर जब अदालत में मामला चला तो कानूनी दावपेच के बीच 27 साल गुजरे। इस दौरान आरोपी स्वामी शरण की मौत होने पर 5 जुलाई 2017 को उसके खिलाफ कार्यवाही बंद की गई। अभियोजन अधिकारी मुकेश कुमार यादव ने गवाह व सबूतों के माध्यम से आरोपों को साबित कराया। जिस पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिल कुमार ने आरोपित को दोषी करार देकर तीन साल के कारावास व पांच हजार रुपया जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न देने की दशा में आरोपी को अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।

खून माफिया मंदबुद्धि व्यक्ति का खींच रहा था खून ,विकलांग पिता ने काटा हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा शहर के प्रमुख बाजार बांस मंडी में कल यानी बीती रात को जमकर हंगामा की स्थिति बनी रही। बजह थी, श्याम नगर निवासी एक मंदबुद्धि व्यक्ति के शरीर से एक यूनिट ब्लड एक पैथोलॉजी पर निकाले जाने से। यह व्यक्ति जब अपने घर श्याम नगर पहुंचा तो उसका शर्ट खून से सना हुआ, होने के कारण उससे पूछताछ की। पिता हरिशंकर के पूछने पर उसने उन्हें जानकारी दी, कि वह शहर के बांस मंडी स्थित रघुवीर जैन पैथोलॉजी पर गया था, जहां उसका खून निकाल लिया गया। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने स्वयं बताया कि वह एक ठेल पर समोसे खा रहा था तभी रघुवीर जैन के यहां से एक व्यक्ति जिसका नाम दिनेश था, वह उसे अपने साथ पैथोलॉजी ले गया। जहां ब्लड निकलने के बाद उसको ?300 दिए गए। जब वह घर पहुंचा तो उसे चक्कर आ रहे थे, संभल कर खड़ा हुआ नहीं जा रहा था। मामले की जानकारी विकलांग पिता हरिशंकर ने कोतवाली शहर पुलिस को दी, आनन् फानन में शहर पुलिस संबंधित पैथोलॉजी पर पहुंच गई। मामला पुलिस में जाने के दौरान पिता पुत्र और पैथोलॉजी के अन्य स्टाफ सहित सभी लोग फरार हो गए। स्थानीय पुलिस ने पूरे मामले की तहकीकात की है। बताया जाता है कि वर्ष 2005 में जिलाधिकारी रहे आरती शुक्ला के समय में इस पैथोलॉजी को न सिर्फ खून माफिया के तौर पर सीज किया गया था, बल्कि रघुवीर जैन और उसके दो पुत्रों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत नामित करते हुए जिला कारागार में निरुद्ध भी किया गया। यही नहीं वर्ष 2017 में जनपद में जिलाधिकारी रहे विजय किरन आनंद के समय में 23 बोटल खून के साथ इन पिता पुत्रों पर कार्यवाही की गई और उन्हें जेल जाना पड़ा। किंतु इतना सब होने के बाद भी उनका यह धंधा अभी भी निरंतर बना हुआ है। ना प्रशासन का खौफ है ना कानून का कोई डर विकलांग पिता हरिशंकर ने अपने पुत्र जो मंदबुद्धि है उसके शरीर से निकले गए खून को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली नगर पुलिस ने पीड़ित से रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा है

जनेह पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही , शराब माफियाओं में दहशत का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

जनेह थाना प्रभारी के बड़ी कार्यवाही में पकड़ी गई चंद्रपुर कंपोजिट शराब दुकान सेपैकारी करते हैं। बोलेरो वाहन सहित अवैध शराब। पूरे रीवा जिले से लगातार कंपोजिट शराब दुकान के द्वारा गांव गांव में पैकारी करायी जा रही है जिसकी लगातार खबरेप्रकाशित भी होती रहती है लेकिन कभी कार्यवाही नहीं होती है। इसी कड़ी में आज जनेह थाना प्रभारी ने बड़ी कार्यवाही करते हुए चंद्रपुर कंपोजिट शराब दुकान से पैकारी के लिए शराब ले जा रहे थे। जिसकी जानकारी लगते ही जनेह थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने शराब सहित बोलेरो वाहन को पकड़ जनेह थाना में खड़ा कर कागजात मांगे गए। लेकिन कोई बैध कागजात नहीं पाये जाने पर कार्यवाही की गयी।



दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

There are Shaktipeeths of Goddess in foreign countries too, know which countries you will have to travel to for darshan.

This year Chaitra Navratri is starting from 9th April 2024. On the occasion of Navratri, nine forms of Goddess Durga are worshipped. During this time people also visit Durga Mata temples. There are many ancient goddess temples and Shaktipeeths in India, which have many religious beliefs and ancient stories. However, the glory of the Goddess is not only in India but also abroad. Some of the 52 Shaktipeeths of the Goddess are established outside India. The body parts of Mata Sati fell at many places on earth, some became present in foreign countries far away from the



Indian border, and later temples were established here. In this article, know about the Shaktipeeths of Mother Goddess located in foreign countries. Shaktipeeths of Goddess in Pakistan There are many ancient Hindu temples in India's neighboring country Pakistan. There is also Devi Shaktipeeth here. There is Hingula Shaktipeeth in Balochistan, Pakistan, where Mata Hinglaj resides. It is believed that the head of Mother Sati had fallen at this place. This ancient Shaktipeeth is called Nani's temple or Nani's Haj. Shaktipeeth in Sri Lanka Indrakshi Shaktipeeth is located in Sri Lanka. Here in Jaffna Nallur area the mother is called by the name Indrakshi. It is said that the anklet of Mata Sati had fallen here. According to a legend, Lord Shri Ram and Devraj Indra, the incarnations of Lord Vishnu, worshiped in this Shaktipeeth. Three Shaktipeeths in Nepal. Aadya Shaktipeeth is located near the Gandak River in Nepal, where the left cheek of Mata Sati had fallen. Here Mother Sati is worshipped in the form of Gandaki. The second Shaktipeeth in Nepal is situated on the banks of Bagmati



river at some distance from Pashupatinath temple, whose name is Guheshwari Shaktipeeth. It is said that both the knees of Mata Sati had fallen here. The third Shaktipeeth is in Bijayapur village, where the teeth of Mata Sati had fallen in Dantkali Shaktipeeth. Shaktipeeth located in Tibet - Tibet is located near India, where on the banks of Mansarovar river. But the right palm of Mother Sati had fallen. Later Mansa Devi Shaktipeeth was established at this place. Five Shaktipeeths in Bangladesh - After India, Bangladesh has the highest number of Shaktipeeths established. There are five Shaktipeeths of Mata here. The first Ugratara is Shaktipeeth, where the nose of Mata Sati had fallen. The second is Aparna Shaktipeeth, where the anklet of the left foot of Mata Sati had fallen. There is Shrishail Shaktipeeth at a place named Shail in Sylhet district, where the neck of Mata Sati had fallen. Apart from this, there is also Shaktipeeth in Chhatral on Chandranath mountain peak near Sitakund station in Chittagong district of Bangladesh. The name of this ancient temple is Chattal Bhavani Shaktipeeth, where the right arm of Mata Sati had fallen. The fifth Shaktipeeth is Yashoreshwari Mata Shaktipeeth, where the left palm of Mata fell and a Shaktipeeth is also said to be on the Khasi Mountains of Sylhet district, which is famous by the name of Jayanti Shaktipeeth. It is believed that the left thigh of Mother Sati had fallen here.



where on the banks of Mansarovar river. But the right palm of Mother Sati had fallen. Later Mansa Devi Shaktipeeth was established at this place. Five Shaktipeeths in Bangladesh - After India, Bangladesh has the highest number of Shaktipeeths established. There are five Shaktipeeths of Mata here. The first Ugratara is Shaktipeeth, where the nose of Mata Sati had fallen. The second is Aparna Shaktipeeth, where the anklet of the left foot of Mata Sati had fallen. There is Shrishail Shaktipeeth at a place named Shail in Sylhet district, where the neck of Mata Sati had fallen. Apart from this, there is also Shaktipeeth in Chhatral on Chandranath mountain peak near Sitakund station in Chittagong district of Bangladesh. The name of this ancient temple is Chattal Bhavani Shaktipeeth, where the right arm of Mata Sati had fallen. The fifth Shaktipeeth is Yashoreshwari Mata Shaktipeeth, where the left palm of Mata fell and a Shaktipeeth is also said to be on the Khasi Mountains of Sylhet district, which is famous by the name of Jayanti Shaktipeeth. It is believed that the left thigh of Mother Sati had fallen here.

32 lakh malaria cases registered in this country in just 8 months, WHO issues alert

Lakhs of people die every year due to various types of mosquito-borne diseases. According to recent reports, malaria cases are being seen increasing rapidly in many African countries these days. According to reports published in local media, there has been a huge surge in the number of malaria cases and deaths in Ethiopia in the last few months, with more than 32



lakh cases recorded here in just eight months. Warning about the rapid spread of the disease in different parts of the East African country, the Health Ministry said that all people need to continue making efforts to prevent malaria. Every week around 70,000 people are getting infected here. The Health Ministry said that the cases of this disease are

being seen much higher than now. The rainy season will further increase the spread of the disease, this can be a time of serious crisis, serious efforts are needed to prevent malaria. The number of malaria-related deaths in Ethiopia has increased from 611 in January to 764 in February as a result of the current outbreak, the UN office (UNOCHA) said. Impact of malaria in African countries - According to media reports, apart from Ethiopia, there are reports of rapid increase of this disease in many other countries like Kenya. Here too, the number of malaria cases and deaths has increased rapidly in the last few months. World Health Organization officials have issued an alert regarding the threat of malaria in many African countries and have committed to taking immediate action to reduce deaths due to this disease. Globally, 95% of deaths due to malaria have been recorded in African countries. This disease is caused by parasites - It is noteworthy that malaria disease is a fatal disease spread to humans by infected mosquitoes. This infection is caused by a parasite although it does not spread from one person to another. Health experts say that in areas where malaria cases are increasing rapidly, people need to take serious measures to avoid mosquito bites. To prevent malaria, health experts recommend vaccination of children in affected areas. In this sequence, a team of scientists has developed a new vaccine, for which good results have been seen.

President launches first indigenous CAR T-Cell therapy, cancer can be treated at low cost

Cancer is a rapidly increasing serious disease globally, the risk of which is seen increasing year after year. The mortality rate of cancer is also high, about which health experts alert everyone. Health experts say that one of the main reasons for the high death rate from cancer is the lack of timely diagnosis

people in the country, cancer is where it becomes very difficult patient. Cancer has been a big Draupadi Murmu on Thursday developed CAR T-cell therapy organized at the Indian Institute Powai. This gene-based therapy developed by IIT Bombay and Tata Memorial Center will help in curing various types of cancer. According to a study published in The Lancet Regional Health Southeast Asia journal, there were about 12 lakh new cancer cases in India in the year 2019. And 9.3 lakh deaths were recorded. India is the country with the second highest burden of this disease in Asia. Health experts have expressed hope that CAR T-cell therapy can help in the treatment of cancer. Cancer treatment with Made in India therapy-NexCAR19 CAR T-cell therapy is India's first 'Made in India' CAR T-cell therapy, which is expected to significantly reduce the cost of treatment. In the last few years, there has been a huge change in the treatment of cancer due to technological advances and AI. There has been success, although its accessibility to the common people has been difficult due to high cost. Scientists hope that with the help of these new therapies, the treatment of cancer will become easier. The therapy will be available at 90 percent lower cost. During the inauguration of the therapy, His Excellency said, we have two leading research institutes of India in their respective fields, Who are working hand in hand with industry for humanitarian purposes. The new thing about this indigenous therapy is that its cost is 90 percent less than the therapy available elsewhere. This is the world's cheapest CAR-T cell therapy. Furthermore, it is also an example of the 'Make in India' initiative which reflects the commitment to a self-reliant India. We hope that with the help of this therapy, the country will be strengthened to fight cancer in the coming time. Know about CAR-T cell therapy. CAR-T cell therapy or chimeric antigen receptor T-cell therapy is a combination of immunotherapy and gene therapy. There is a form. Complex genetic engineering is required to modify a patient's immune cells, particularly T cells, and prepare them to fight cancer. CAR-T cell therapy is considered one of the most unprecedented advancements in medical science. India has made progress in this direction and has developed indigenous therapy. Will be available in major cancer hospitals - In his address during the program, the President said, I have been told that this therapy will be available in major cancer hospitals across the country, which will Patients and their families will get new hope. Furthermore, this affordable treatment can be made available to all patients around the world. This will be in line with our vision of "Vasudhaiva Kutumbakam". We need unity and determination to fight cancer, we hope innovations like this will help us achieve



and treatment. In most of the diagnosed in the last stages, from to treat and save the life of the threat in India too. President launched the indigenously for cancer treatment at an event of Technology (IIT) Bombay,

This gene-based therapy developed by IIT Bombay and Tata Memorial Center will help in curing various types of cancer. According to a study published in The Lancet Regional Health Southeast Asia journal, there were about 12 lakh new cancer cases in India in the year 2019. And 9.3 lakh deaths were recorded. India is the country with the second highest burden of this disease in Asia. Health experts have expressed hope that CAR T-cell therapy can help in the treatment of cancer. Cancer treatment with Made in India therapy-NexCAR19 CAR T-cell therapy is India's first 'Made in India' CAR T-cell therapy, which is expected to significantly reduce the cost of treatment. In the last few years, there has been a huge change in the treatment of cancer due to technological advances and AI. There has been success, although its accessibility to the common people has been difficult due to high cost. Scientists hope that with the help of these new therapies, the treatment of cancer will become easier. The therapy will be available at 90 percent lower cost. During the inauguration of the therapy, His Excellency said, we have two leading research institutes of India in their respective fields, Who are working hand in hand with industry for humanitarian purposes. The new thing about this indigenous therapy is that its cost is 90 percent less than the therapy available elsewhere. This is the world's cheapest CAR-T cell therapy. Furthermore, it is also an example of the 'Make in India' initiative which reflects the commitment to a self-reliant India. We hope that with the help of this therapy, the country will be strengthened to fight cancer in the coming time. Know about CAR-T cell therapy. CAR-T cell therapy or chimeric antigen receptor T-cell therapy is a combination of immunotherapy and gene therapy. There is a form. Complex genetic engineering is required to modify a patient's immune cells, particularly T cells, and prepare them to fight cancer. CAR-T cell therapy is considered one of the most unprecedented advancements in medical science. India has made progress in this direction and has developed indigenous therapy. Will be available in major cancer hospitals - In his address during the program, the President said, I have been told that this therapy will be available in major cancer hospitals across the country, which will Patients and their families will get new hope. Furthermore, this affordable treatment can be made available to all patients around the world. This will be in line with our vision of "Vasudhaiva Kutumbakam". We need unity and determination to fight cancer, we hope innovations like this will help us achieve

Sridevi's dream remained unfulfilled, Boney said - she wanted to see her daughters in a wedding dress.

Boney Kapoor often talks about his late wife Sridevi. Recently, during an interview, he said, 'Shri and I never wanted Janhvi or Khushi to work in films. When she was young, we both



often planned that she would become a doctor, while sometimes we thought that she would become an engineer. Late actress Sridevi has given many hit films to Bollywood. Sridevi's acting was famous not only in Bollywood but also in the South film industry. Apart from being a brilliant actress, Sridevi was also the mother of two lovely daughters. Recently, the late actress's husband and producer Boney Kapoor was seen talking openly about Sridevi. Didn't want to make daughters heroines Boney Kapoor often talks about his late wife Sridevi. Recently, during an interview, he said, 'Shri and I never wanted Janhvi or Khushi to work in films. When she was young, we both often planned that she would become a doctor, while sometimes we thought that she would become an engineer. We never thought that both of them would also become heroines.' Sridevi used to dream of her daughters' marriage - Boney Kapoor continues his talk and says, 'One day Janhvi came to her mother and said that she wanted to become a heroine and then We did not stop him. After that, Janhvi signed 'Dhadak'. Boney further says, 'Like every mother, Shree also dreamed of Jhanvi's marriage. Whenever we used to go to any wedding and came back from there, Shree would often say that we will marry Janhvi with such pomp and show if we find a good boy.'Janhvi and Khushi's work-front - Late actress Sridevi's two daughters Janhvi Kapoor and Khushi Kapoor are making their name in Bollywood. This year, Janhvi Kapoor is going to be seen in 'Devra: Part-1' with Ram Charan. Khushi Kapoor, who made her Bollywood debut with 'The Archies', will be seen in a Dharma Production film in the coming days.

Nikhil Advani encouraged Sanjay Leela Bhansali, said - 'Hiramandi' deserves Emmy Award

Whenever Sanjay Leela Bhansali produces a film, it becomes an inspiration for new film makers. These days his newly created web series 'Hiramandi: The Diamond Bazaar' is making headlines.



In this series, talented actresses like Sonakshi Sinha to Manisha Koirala will be seen showcasing their acting skills. There is a lot of enthusiasm among the audience for this series of Sanjay Leela Bhansali. Recently, film director Nikhil Advani was also seen praising 'Hiramandi: The Diamond Bazaar'. Nikhil Advani says, 'We have produced many great web series, but we are yet to produce an international level series like 'Squid Game', but I think 'Hiramandi: The Diamond Bazaar' will break this perception. Sanjay Leela Bhansali has produced 'Hiramandi: The Diamond Bazaar' on a grand scale. Nikhil Advani continues his point and says, 'Hiramandi: The Diamond Bazaar' should be nominated for Emmy Awards. This is an international level series.' Nikhil Advani says, 'After watching Sanjay Leela Bhansali's film 'Padmavat', NRIs were roaming in San Francisco. Now Hollywood people will see that we too can produce great films and series. We don't just have snake charmers and elephants.' Nikhil Advani says, 'I want Sanjay Leela Bhansali to go for the Emmy Awards and Golden Globes next year. The world should also see that we have now moved far ahead of the country of snake charmers and elephants.

Vijay and Rashmika holidaying in UAE? This is how fans found out from Instagram

The market of news is very hot with the discussion of affair between Vijay Deverakonda and Rashmika Mandanna. It is being said that both of them are holidaying in UAE these days. Fans of both are busy confirming this. Fans of Vijay and Rashmika are investigating from



the social media posts of both the stars as to where they are! Through their investigation, some fans of both have come to the conclusion that Rashmika and Vijay are present in UAE only. This thing is being considered so special because 5th April is Rashmika's birthday. It is being said that both Vijay and Rashmika have reached there to spend some happy moments on this important day. In fact, on April 3, Vijay had shared a video on his Instagram handle about the film 'The Family Star'. This is his upcoming film. On the other hand, Rashmika had shared a picture of a peacock in an Instagram story. Fans of both noticed that a peacock was visible in Vijay's post as well. Since then the discussion started that Vijay and Rashmika have gone to UAE together. Vijay Deverakonda was seen telling in his video that his film 'The Family Star' will be released on 500 screens in America. This is going to be the biggest release of his career. This film is going to hit the theaters on April 5. This day is Rashmika's birthday. There are speculations that Vijay has gone on a holiday with Rashmika to celebrate her birthday. Vijay and Rashmika have worked together in two films. These include 'Geeta Govindam' and 'Dear Comrade'. Both have been seen together many times. However, neither of them ever gave any confirmation about their affair. Earlier this year, there were rumors that both of them would get married in the month of February. This did not happen, but fans are constantly saying that something is going on between the two.